वर्ष : 17 ❖ अंक : 304 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
सोमवार, 12 जून 2023

जनता का विश्वास मेरे लिए सबसे बड़ी पूंजी : सचिन पायलट 3 | वाईएसआरसीपी सरकार ने भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं किया : अमित शाह 8

जनता को शिकायत करने का मंच प्रदान करेगा जन शिकायत प्रकोष्ठ : सीएम गोले

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 11 जून । सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने सोरेंग जिले की अपनी तीन दिवसीय 'जनता भेंटघाट' यात्रा के दूसरे दिन आज मंगलबरिया के रिंचेनपोंग निर्वाचन क्षेत्र में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने सभी प्रखंड प्रशासनिक केंद्रों में एक जन शिकायत प्रकोष्ठ की स्थापना के संबंध में महत्वपूर्ण घोषणा भी की और साथ ही उन्होंने कई लाभार्थियों में जमीन के पर्चे भी वितरित किए।

आज के दौरे में मुख्यमंत्री ने सिक्किम सुकुमबासी भूमिहीन योजना के तहत खानिसरबोंग, सुलडुंग कामलिंग और ताकुथांग चुचेन जीपीयू के कुल 7 लाभार्थियों में जमीन के पर्चे वितरित किए। इस अवसर पर उक्त तीनों जीपीयू के 1700 से अधिक लोग कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थे। वहीं इस दौरान जन शिकायत प्रकोष्ठ की स्थापना की घोषणा के संबंध में मुख्यमंत्री ने बताया कि आमलोगों और राज्य सरकार के बीच कोई दूरी न रखते हुए सीधा संबंध स्थापित करते हुए उनकी चिंताओं और मुद्दों का सीधा समाधान करना ही इसका मुख्य उद्देश्य होगा। उन्होंने बताया कि निकट भविष्य में शिकायत प्रकोष्ठ का क्रियान्वयन शुरू हो जाएगा। यह प्रकोष्ठ आम नागरिकों को अपनी शिकायतें व्यक्त करने हेतु एक मंच प्रदान करेगा, जिन्हें पूरी तरह से समीक्षा और आवश्यक कार्रवाई के लिए राज्य सरकार को भेजा जाएगा।

इस महत्वपूर्ण पहल के सुचारू संचालन के संबंध में मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रत्येक ब्लॉक प्रशासनिक केंद्र में दो समर्पित कर्मचारियों की नियुक्ति की जाएगी। ये कर्मी जन शिकायतों को एकत्र और संकलित करने के बाद उन्हें उचित समाधान हेतु सरकार के समक्ष प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। गौरतलब है कि, इस लोक शिकायत प्रकोष्ठ की स्थापना आम नागरिकों एवं राज्य सरकार के बीच सीधा संपर्क बढ़ाने और जनता की चिंताओं को तुरंत दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल के साथ मुख्यमंत्री का उद्देश्य सुशासन के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए आमलोगों की समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री ने आज के कार्यक्रम में करीब दो हजार लोगों से मुलाकात की उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने कई लोगों की समस्याओं का तत्काल समाधान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकोष्ठ का उद्देश्य नागरिकों को अपनी शिकायतों को आवाज देने के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करना है, जिसे पूरी तरह से समीक्षा और आवश्यक कार्रवाई के लिए राज्य सरकार को भेजा जाना चाहिए।

इस महत्वपूर्ण पहल के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक ब्लॉक प्रशासनिक केंद्र में दो कर्मचारी नियुक्त किए जाएंगे। ये कर्मचारी जनता की शिकायतों को एकत्र करने और फिर उचित निवारण के लिए सरकार को प्रस्तुत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि इस लोक शिकायत प्रकोष्ठ की स्थापना को नागरिकों और सरकार के बीच संपर्क बढ़ाने और लोगों की चिंताओं को तुरंत दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में लिया जा सकता है। इस पहल के माध्यम से, मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका उद्देश्य सुशासन के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को मजबूत करना और यह सुनिश्चित करना है कि लोगों की आवाज सुनी जाए और उनकी चिंताओं को प्रभावी ढंग से दूर किया जाए।

क्षेत्रीय दलों की सरकार नहीं कर पाई है सिक्किम का विकास : जायसवाल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 11 जून । भारतीय जनता पार्टी के नामची जिला कार्यालय का आज पार्टी के प्रदेश प्रभारी दिलीप जायसवाल ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष डीआर थापा, विधायक दल के नेता एनके सुब्बा, मल्ली विधायक श्रीमती फरवंती तमांग, पार्टी उपाध्यक्ष अर्जुन राई, उप महामंत्री भरत दुलाल, सुदीप प्रधान सहित अन्य वरिष्ठ सदस्य, विभिन्न स्तरों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यालय उद्घाटन समारोह में आज विभिन्न क्षेत्रों के लगभग 100 परिवार भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए।

समारोह को संबोधित करते हुए प्रभारी डॉ दिलीप जायसवाल ने सिक्किम की जनता से भाजपा को मौका देने का आह्वान करते हुए कहा कि सिक्किम में पिछले 48 साल से क्षेत्रीय दलों की सरकार होने के बावजूद कोई विकास नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि भाजपा सुशासन और विकास का नारा देकर देश की जनता की सेवा कर रही है और पिछले 9 वर्षों में प्राप्त ऐतिहासिक उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने पूरे सिक्किम के लोगों से जनसभा में भाग लेने की अपील की क्योंकि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा 18 जून को सिक्किम का दौरा करेंगे और राष्ट्रीय अध्यक्ष सिक्किम के प्रति पार्टी के दृष्टिकोण और भविष्य की रणनीति पर विशेष भाषण देंगे।

इसी तरह प्रदेश अध्यक्ष डीआर थापा ने कहा कि सिक्किम के पुराने कानूनों की ठीक से रक्षा करने, सिक्किम का समुचित विकास कर सिक्किम को कर्ज मुक्त बनाने और आत्मनिर्भर सिक्किम बनाने की क्षमता अब केवल भारतीय जनता पार्टी में ही है। उन्होंने सिक्किम के सभी लोगों से भाजपा का हाथ मजबूत करने का भी आह्वान किया।

दूसरी ओर विधायक दल के नेता एनके सुब्बा ने भी क्षेत्रीय दलों की कमजोरी की ओर इशारा करते हुए कहा कि भले ही वे भी लंबे समय तक क्षेत्रीय दलों में शामिल रहे, सिक्किम के सभी मुद्दों का समाधान भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग नारों के साथ कितने भी क्षेत्रीय दल की सरकारें क्यों न आ जाएं, सिक्किम के लोगों के असली मुद्दे अधिक संवेदनशील और जटिल होते जा रहे हैं और उन्होंने भाजपा को एक मौका देने का आह्वान किया।

समारोह को संबोधित करते हुए वरिष्ठ सदस्य छितेन टाशी भूटिया ने पार्टी के कार्यक्रमों में विधायकों की कम उपस्थिति पर सवाल उठाया और जोर दिया कि पार्टी परिवार के भीतर सभी को अनुशासित रहना चाहिए।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का आगामी कार्यक्रम सिक्किम की राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ होना चाहिए। वहीं, पार्टी उपाध्यक्ष अर्जुन राई ने अपने संबोधन में कहा कि क्षेत्रीय पार्टियां केवल लोगों की भावनाओं का शोषण कर रही हैं और अब भाजपा ही सही विकल्प है। समारोह को महामंत्री भरत दुलाल ने भी संबोधित किया।

जातीय हिंसा के चलते 50 हजार से ज्यादा विस्थापित लोग 349 राहत शिविरों में रह रहे

इंफाल, 11 जून (एजेन्सी)। मणिपुर में जातीय हिंसा के कारण विस्थापित हुए 50,000 से अधिक लोग वर्तमान में राज्य भर के 349 राहत शिविरों में रह रहे हैं।

राज्य के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री डॉ. आर. के. रंजन ने रविवार को कहा कि सभी जिलों में विशेष रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान 53 हथियार और 39 बम बरामद किए गए हैं।

रंजन राज्य सरकार के प्रवक्ता भी हैं। उन्होंने कहा कि जातीय संघर्ष के कारण प्रभावित हुए छात्रों की शिक्षा के लिए एक खाका तैयार किया गया है और इसे जल्द ही सार्वजनिक किया जाएगा।

मंत्री के हवाले से एक आधिकारिक बयान में कहा गया, जातीय हिंसा से विस्थापित कुल 50,698 लोग वर्तमान में 349 राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं।

जिला और क्लस्टर नोडल अधिकारियों को विशेष रूप से महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों के लिए खोले गए राहत केंद्रों की देखरेख करने के लिए कहा गया है।

उन्होंने कहा कि आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिए एक मूल्य नियंत्रण तंत्र स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-37 के माध्यम से विभिन्न वस्तुओं को राज्य में लाया जा रहा है।

बयान में कहा गया कि मई की शुरुआत में हिंसा भड़कने के बाद से 35,000 मीट्रिक टन निर्माण सामग्री, ईंधन और आवश्यक वस्तुओं को 2,376 ट्रकों में मणिपुर लाया गया है।

रंजन ने कहा कि मौजूदा 242 बैंक शाखाओं में से कुल 198 अब चालू हैं और शेष को जल्द से जल्द चालू कर दिया जाएगा।

मई की शुरुआत में राज्य में जातीय हिंसा भड़कने पर पुलिस थानों से बड़ी संख्या में हथियार लूट लिए गए थे।

मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दोनों ने लोगों से हथियार डालने की अपील की है।

बयान में कहा गया कि कुल 990 हथियार और गोला-बारूद से जुड़ी 13,526 अन्य वस्तुएं सरकार को सौंपी गई हैं।

राज्य पुलिस के सहयोग से सेना और अर्धसैनिक बल राज्य में शांति बहाल करने के लिए तलाशी अभियान चला रहे हैं।

इस बीच, सुरक्षाबलों से छीने गए हथियारों को वापस करने के लिए इंफाल पूर्वी के एक भाजपा विधायक के घर स्थापित एक ड्रॉप बॉक्स स्थानीय युवाओं के लिए एक लोकप्रिय आकर्षण बन गया है, जिन्होंने स्वचालित राइफलों सहित 130 हथियार जमा करने के लिए इस सुविधा का लाभ उठाया है जिसमें पहचान उजागर करने की जरूरत नहीं है।

अनंत ने बुलंद इरादे से बनाई अपनी अलग पहचान

अनुगामनी का.सं.

गंगटोक, 11 जून । अगर इरादे बुलंद हो, तो इंसान के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी लक्ष्य हासिल करना असंभव नहीं है। सिक्किम की राजधानी गंगटोक निवासी अनंत मंगर (22) ने इसे साबित कर दिया है। पूर्वोत्तर के इस छोटे हिमालयी राज्य से निकल कर अनंत ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर बॉलीवुड और टेलीविजन की दुनिया में अलग पहचान कायम की है। देश के मनोरंजन उद्योग में आज अनंत मंगर तेजी से उभरते हुए एक सितारे का नाम है। ऐसा कर उन्होंने अपने माता-पिता और समूचे राज्य को गौरवान्वित किया है।

डम्बर बहादुर मंगर और कविता मंगर के बेटे अनंत का एक छोटे शहर से सिल्वर स्क्रीन तक का यह सफर जुनून और समर्पण से भरा है। गंगटोक के बहाई स्कूल में अपनी प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद अनंत ने नामची सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ाई की। उसके बाद उन्होंने अर्थशास्त्र में स्नातक किया और वर्तमान में मास कम्युनिकेशन की पढ़ाई कर रहे हैं। लेकिन पढ़ाई के साथ-साथ अनंत पर अभिनय का भी जुनून सवार था जो उनकी दिली ख्वाहिश है। ऐसे में अपने सपनों को उड़ाने देने के लिए अनंत मुंबई में प्रतिष्ठित बैरी जॉन एक्टिंग स्टूडियो में शामिल हुए, जहां अनुभवी पेशेवरों के मार्गदर्शन में उन्होंने रूपहले पर्दे की चुनौतीपूर्ण दुनिया के लिए खुद को तैयार करते हुए अपने अभिनय कौशल को निखारा।

गौरतलब है कि बैरी जॉन एक्टिंग स्टूडियो ने सुशांत राजपूत और शाहरुख खान जैसी प्रतिभाओं को तैयार किया है। हाल ही में अपनी कड़ी मेहनत और प्रतिभा के बल पर अनंत को प्रसिद्ध अभिनेता शाहिद कपूर के साथ बॉलीवुड फिल्म 'ब्लडी डैडी' में काम करने का अवसर प्राप्त हुआ। यह फिल्म जियो सिनेमा पर रिलीज हुई थी और इसमें उनके प्रदर्शन को काफी सराहा गया है। इसके अलावा, अनंत ने दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाली फीचर फिल्म 'ब्रोकन विंग्स' और टेलीविजन सीरियल 'हमारी एंजल' में भी अपने अभिनय कौशल का प्रदर्शन किया है। इन कार्यों ने एक बहुमुखी प्रतिभा सम्पन्न अभिनेता के रूप में उनकी पहचान को और निखारा है। इसके अलावा, अनंत ने क्रिकेट सुपरस्टार विराट कोहली के साथ फिलिप्स ट्रिमर के लिए एक टेलीविजन विज्ञापन में भी काम किया है। इसने न केवल अनंत की अभिनय क्षमताओं को उजागर किया बल्कि विभिन्न माध्यमों में उनकी बहुमुखी प्रतिभा और क्षमता को भी प्रदर्शित किया है। (शेष पृष्ठ ०३ पर)

चुनाव बाद होगा प्रधानमंत्री का चयन, नीतीश नहीं बनेंगे पीएम : ललन सिंह

पटना, 11 जून (का.सं.)। पटना में 23 जून को होने वाली विपक्षी एकता की बैठक में 18 पार्टियां शामिल होंगी। रविवार को इसकी जानकारी जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने दी। उन्होंने कहा कि चुनाव बाद ही प्रधानमंत्री का चयन होगा। नीतीश कुमार पीएम नहीं बनेंगे। पटना जदयू कार्यालय में ललन सिह ने ये बातें कहीं। उन्होंने पीएमसीएच के पूर्व अधीक्षक विमल कारक को पार्टी की सदस्यता दिलाई।

ललन सिंह ने यह भी कहा कि विपक्षी एकता की तरफ से प्रधानमंत्री कौन होगा? यह अभी नहीं बताया जाएगा। जब चुनाव हो जाएगा और विपक्षी एकता की जीत हो जाएगी। इसके बाद प्रधानमंत्री की घोषणा की जाएगी। साथ ही उन्होंने भाजपा पर हमलावर होते हुए कहा कि अभी देश में इमरजेंसी की स्थिति है। 1974 वाला इमरजेंसी तो घोषित वाली इमरजेंसी थी। आज अघोषित इमरजेंसी है।

देश में आपातकाल लागू है। लेकिन, कहा नहीं जा रहा है। किसी को बोलने की स्वतंत्रता नहीं है। जब लोकतंत्र में बोलने की स्वतंत्रता समाप्त हो जाए तो स्थिति बदलनी चाहिए। आज लोकतंत्र बहुत खतरनाक स्थिति में है। पुराने सारे इतिहास को भाजपा बदल रही है। अपने नाम से इतिहास कराने का प्रयास किया जा रहा है। महात्मा गांधी को भूल रहे हैं। आप भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों को भूल रहे हैं, जननायक कर्पूरी ठाकुर के संघर्षों को भूल रहे हैं।

ललन सिंह ने यह भी कहा कि बीजेपी आरक्षण विरोधी है। 1977 में कर्पूरी ठाकुर ने आरक्षण लागू किया था तो भारतीय जनता पार्टी के लोगों ने उस सरकार को गिरा दिया था। जितनी भी संवैधानिक संस्थाएं हैं। सभी संवैधानिक संस्थाओं पर अपना नियंत्रण भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने कर रखा है। मीडिया की स्वतंत्रता समाप्त हो गई है।

राहुल गांधी की सदस्यता जाती है तो 5 दिन तक डिबेट चलता है।

यह लोग धार्मिक उन्माद फैला रहे हैं। ललन सिंह ने टीवी एंकर का नकल करते हुए कहा कि आप देख रहे हैं भगवान का अपमान हुआ है। धर्म का अपमान हुआ है। दिन भर चिल्ला चिल्ला कर धार्मिक उन्माद फैलाते हैं।

जदयू नेता ने पीएम मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री नहीं हैं। वह सिर्फ गुजरात के प्रधानमंत्री हैं। निजीकरण की तरफ देश जा रहा है। देश की समस्याओं पर नहीं बोलेंगे, यह धर्म के नाम पर समाज में उन्माद फैलाकर पैदा कर रहे हैं। उनके नाम पर धार्मिक भावना फैलाकर वोट लेने की साजिश कर रहे हैं। जनता सब देखती है और समय पर जवाब देती है। कर्नाटक में भी इनको जवाब दे दी थी और आने वाले समय में भी करारा जवाब मिलेगा।

23 जून को 18 विपक्षी पार्टी के लोग पटना आ रहे हैं। महबूबा मुफ्ती, फारुख अब्दुल्ला विपक्षी एकता की बैठक पटना में शामिल होंगे। आगे की रणनीति बनाई जाएगी। हम लोगों का पूरा समर्थन है। कई पार्टियों का नैतिक समर्थन है। हमें पूर्ण सफलता मिलेगी।

ललन सिंह ने एक बार फिर से दोहराया कि नीतीश कुमार देश के प्रधानमंत्री के उम्मीदवार नहीं हैं। नीतीश कुमार देश को भाजपा मुक्त करने के लिए विपक्षी एकता को इकट्ठा कर रहे हैं और उसके निर्माण के लिए आगे बढ़ रहे हैं। देश में 2024 का लोकसभा चुनाव हो जाएगा तो सभी पार्टियों के लोग बैठकर तय करेंगे कि देश का प्रधानमंत्री कौन होगा और कौन नेता होगा।

रामसूरत राय ने दिया विवादित बयान, कहा- राहुल गांधी को पप्पू-लप्पू कुछ भी कहा जा सकता है

सीतामढ़ी, 11 जून (नि.सं.)। बिहार के सीतामढ़ी में भाजपा के नौ साल बेमिसाल कार्यक्रम के दौरान बिहार सरकार के पूर्व मंत्री रामसूरत राय ने राहुल गांधी को लेकर विवादित बयान दिया है। बिहार भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी के बयान पर राजद सांसद मनोज झा ने प्रतिक्रिया के रूप में सवाल पूछा कि देश में जो भी दाढ़ी रखते हैं, वह आतंकी ही हैं क्या? इस पर भाजपा नेता ने जवाब दिया कि राहुल गांधी को पार्टी के लोग पप्पू समझते हैं, तो उनको पप्पू-लप्पू कुछ भी कहा जा सकता है।

दरअसल, रामसूरत राय से प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पूछा गया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दाढ़ी को लेकर विवादित बयान दिया है। उस पर उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष ने देश में सभी दाढ़ी रखने वालों को आतंकी नहीं बताया है, दाढ़ी तो देश में सभी रखते हैं। लोग परिकल्पना करते हैं कि किसका चेहरा किससे मिलता है। राहुल गांधी का चेहरा लादेन की तरह देखने में लग रहा था तो उन्होंने अपनी बात रखी है। वैसे राहुल गांधी अक्सर अपना हुलिया बदलते रहते हैं।

रामसूरत राय से पूछा गया कि आरजेडी का कहना है कि सुर्खियों में रहने के लिए सम्राट चौधरी इस तरीके के बयान देते रहते हैं। इसपर उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि भाजपा के कोई भी नेता या कार्यकर्ता पूरे सबूत के साथ किसी के बारे में बोलते हैं।

दरअसल, भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी हुई है। उसको लेकर बीजेपी की ओर से नौ साल बेमिसाल कार्यक्रम हर जिले में आयोजित किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में सीतामढ़ी भाजपा कार्यालय में मीडिया संवाद सह प्रेस वार्ता आयोजित की गई थी। जहां पूर्व मंत्री सह भाजपा के जिला प्रभारी विधायक रामसूरत राय भी मौजूद रहे।

मानसून आने के पहले सतर्क हो रहा है मेट्रो, दिल्ली मेट्रो के निदेशक ने लिया जायजा

पटना, 11 जून (क.सं.)। पटना में चल रहे मेट्रो निर्माण के कार्यों की गुणवत्ता, सुरक्षा और निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की जा रही है। इसके साथ ही मानसून के आने से पहले पटना मेट्रो की ओर से इंतेजाम किए जा रहे हैं। वहीं अब तक प्रिरोरिटी कॉरिडोर में 41 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। प्रिओरिटी कॉरिडोर के तीन स्टेशन जो आईएसबीटी, खेमनीचक और भूतनाथ रोड है इन स्टेशनों में क्रॉस आर्म के इरेक्शन का कार्य शुरू हो गया है और एक अन्य स्टेशन मलाही पकड़ी में क्रॉस आर्म के इरेक्शन की तैयारियां चल रही हैं । दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी) के कार्य निदेशक दलजीत सिंह दिल्ली से आकर पटना में चल रहे मेट्रो का कार्य निरीक्षण किया।

मानसून के आगमन को देखते हुए दलजीत सिंह ने -30 के उत्तर की तरफ स्थित नाले का चल रहे सफाई कार्यों और मानसून प्रबंधन कार्यों की प्रगति समीक्षा की। उन्होंने मेट्रो निर्माण साईट के अंदर ड्रेनेज व्यवस्था और नाले को दुरुस्त करने का आदेश दिया।

साथ ही साईट के अंदर या उसके आसपास पड़ने वाले सार्वजनिक नाले की उड़ाही कर उसे व्यवस्थित और सुचारु रूप से पानी का निकासी हो सके इसका निर्देश दिया। सभी निर्माण साईट के आसपास बैरिकेडिंग को सही करने, आम नागरिकों के लिए साईट के आसपास सुरक्षा सूचना की दृश्यता (विजिबिलिटी) बढ़ाने जिससे कोई भी अनहोनी ना हो, इस बात का निर्देश दिया।

बता दे की मोईन-उल -हक अंडरग्राउंड स्टेशन में टनलिंग का कार्य चल रहा है। पहले टनल बोरिंग मशीन ने करीब 40 मीटर खुदाई का कार्य लाइनिंग के साथ गति में पूरा कर लिया है और दूसरी टनल बोरिंग मशीन द्वारा टनलिंग ड्राइव की शुरुआत कर दी गई है। दलजीत सिंह ने बताया की यह शुरुआती दौर है, वहीं पटना के मिट्टी के प्रकार को ध्यान में रखते अंडरग्राउंड मेट्रो के खुदाई के लिए साईट और टनल बोरिंग मशीन के बीच सामन्जस्य बैठाना बहुत ही क्रिटिकल काम है, लेकिन पटना मेट्रो रेल परियोजना के अधिकारियों द्वारा बहुत ही एहतियात बरतते हुए टनलिंग का कार्य निर्बाध रूप से करने की कोशिश की जा रही है ।

दलजीत सिंह ने मेट्रो के सभी साईट के कास्टिंग यार्ड, पाटलिपुत्र आईएसबीटी टर्मिनल डिपो के अलावा सभी भूमिगत एवं एलिवेटेड स्टेशन साइटों जैसे आकाशवाणी, गाँधी मैदान, खेमनीचक, मलाहि पकरी, भूतनाथ रोड, जीरो माइल, राम कृष्णा नगर, मीठापुर का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, सुरक्षा और निर्माण कार्य की प्रगति का जायज़ा लिया। मोइनुल हक स्टेडियम में चल रहे अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन के निर्माण और प्रगति के अलावा भविष्य की कार्य निष्पादन योजना और अन्य साइटों पर काम की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली।

नीतीश सरकार में विकास थमा, चरम पर है भ्रष्टाचार : आर.के. सिंह

आरा, 11 जून (नि.सं.)। लोकसभा चुनाव के नजदीक आते ही भाजपा ने सोशल मीडिया पर फोकस कर दिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी की पकड़ मजबूत करने के लिए सोशल मीडिया पर रीच बढ़ाने की कवायद शुरू हो गई है। सांसदों और नेताओं को यह निर्देश दिया गया है कि वो अपनी टीम में ज्यादा से ज्यादा सोशल मीडिया वॉरियर्स को भर्ती करें। इन्फ्लुएंसर्स के साथ बातचीत केन्द्र सरकार की योजनाओं को आम लोगों तक पहुंचाए। इस को लेकर आरा महा जनसंपर्क अभियान के तहत पावरग्रिड,आरा के सभागार में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स मीट का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आर. के. सिंह ने नीतीश और तेजस्वी पर वार किया। उन्होंने कहा कि बिहार में विकास का काम थम गया है और भ्रष्टाचार चरम पर है।

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय ऊर्जा मंत्री राजकुमार सिंह ने नीतीश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार में विकास थम गया है । आरके सिंह ने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में बिहार में भाजपा बड़ी जीत दर्ज करेगी। नीतीश कुमार की सरकार में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। विधि व्यवस्था एकदम चौपट हो गई है। दिनदहाड़े लूट, डॉक्टर पीएमसी में भी नहीं मिल पा रहे हैं ना ही स्कूल में शिक्षक मिल जाते हैं। बिहार में विकास थम गया है । बाकी देश के सभी राज्यों में विकास तेजी से हो रहा है। किसी भी देश में हमने नहीं देखा कि बना बनाया पुल धड़ाम से गिर कर नदी में समा गया। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव कहते हैं कि पूल में कुछ गड़बड़ी थी, इसलिए जानबूझकर फुल को गिरा दिया। इधर नीतीश कुमार कहते हैं कि पुल गिरा है इसकी जांच होगीच। दोनों जानबूझकर अलग-अलग बयान दे रहे हैं।

आर.के. सिंह ने कहा कि कांग्रेस विदेश में जाकर अपने देश की बुराई करती है। राहुल गांधी विदेश में जाकर देश की बुराई कर रहे हैं, उनको सजा हो गई इसके लिए वह सरकार को दोषी ठहरा रहे हैं। राहुल गांधी को सजा इसलिए हुई कि उन्होंने एक कौम को गाली दी जो रिकॉर्डेड है। एक बार सजा हो गई तो आपकी सांसदी जानी थी । केंद्रीय मंत्री राजकुमार सिंह ने कहा कि दुनिया मानती है कि भारत एक

शक्तिशाली देश है। हमारे प्रधानमंत्री जहां जाते हैं वहां उनका जोरदार स्वागत होता है विभिन्न देश के प्रधानमंत्री और प्रेसिडेंट नरेंद्र मोदी को इज्जत देते हैं।

आर.के. सिंह ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में जो काम भारत में हुआ वह अभूतपूर्व है। हम लोग दुनिया में एक शक्ति के रूप में उभर रहे हैं। दुनिया में जितनी बड़ी अर्थव्यवस्था है उसमें से सबसे तेज गति से अर्थव्यवस्था भारत की बढ़ रही है। भारतीयों का जो सपना था कि हमारे यहां धारा 370 ना हो, एक झंडा और एक संविधान रहे। यह नरेंद्र मोदी की सरकार ने कर दिया। पाकिस्तान या चीन की तरफ से जो हमला किया जाता था,उसका कड़ा जवाब दिया गया। यह दोनों देशों को मैसेज दे दिया कि अगर भारत पर हमला करोगे तो तुम्हें मुंहतोड़ जवाब मिलेगा।

भ्रम में हैं बिहार के सीएम नीतीश : सुशील मोदी

मोतिहारी, 11 जून (नि.सं.)। लोकसभा चुनाव से पहले सीएम नीतीश कुमार 23 जून को पटना में विपक्षी दलों की बैठक करने वाले हैं। इसे लेकर राज्यसभा सांसद और पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी ने नीतीश कुमार और राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की हैसियत अब एक मुंशी की हो गई है। मुंशी की तरह विपक्षी दलों के नेताओं को बारी-बारी से जुटता की सूचना दे रहे हैं।

सुशील मोदी रविवार को 9 साल बेमिसाल कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मोतिहारी पहुंचे थे। राज्यसभा सांसद ने कहा कि नीतीश कुमार को गलतफहमी है कि विपक्ष के नेता बन गए हैं, लेकिन हकीकत यह है कि उनको कोई स्वीकार करने वाला नहीं है।

बापू सभागार में व्यापारी सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री तेली जाती से आते हैं। गृह मंत्री वैश्य जाति से हैं। वैश्य समुदाय के लोग दोनों पद पर आसीन हैं। एक बार फिर से आप सभी मिल कर मोदी को प्रधानमंत्री बनाएं।

सुशील कुमार मोदी ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं राहुल गांधी विपक्ष के साझा उम्मीदवार बने। उनके साथ हमारी लड़ाई हो। यह तय है कि विपक्षी दलों में सबसे ज्यादा सीटें किसी को आएंगी तो वह कांग्रेस है।

उन्होंने कहा कि हम भी एक मजबूत विपक्ष से लड़ने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विदेश जाकर भारत की छवि धूमिल कर रहे हैं। उन्हीं लोगो के शासन काल में सबसे ज्यादा दंगे हुए। हमारे राज्य में तो कोई दंगा नहीं हुआ है।

सुशील मोदी ने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव में मोतिहारी से बीजेपी के उम्मीदवार राधामोहन सिंह ही होंगे। इस बात की घोषणा आज ही हम कर दे रहे हैं। इस बार आप लोग ज्यादा वोटों से उनकी जीत सुनिश्चित कीजिएगा। इस दौरान उन्होंने लालू यादव के 76वें जन्मदिन पर उनको बधाई दी। मोदी ने कहा कि उनसे हमारा 40 साल पुराना संबंध है। वो जल्दी स्वस्थ्य हो। ईश्वर उनकी आयु लंबी करें।

पीएम मन की बात तो करते हैं, लेकिन पहलवानों के दिल की बात सुनने का समय नहीं : रितु जायसवाल

सुपौल, 11 जून (एजेन्सी)। राष्ट्रीय जनता दल की महिला प्रदेश अध्यक्ष रितु जयसवाल संगठन कि मजबूती को लेकर सुपौल जिला पहुंची। जहां उन्होंने सर्वप्रथम राजद कार्यकर्ता के साथ बैठक की और संगठन की मज़बूती पर गहन चर्चा की। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव, सूबे के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव एवं राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह को धन्यवाद देते हुए कहा कि महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष का दायित्व देकर पार्टी ने उन पर भरोसा जताया है। उस पर खरा उतरने की भरपूर कोशिश की जा रही है। उनका पूरे बिहार में 55 दिनों तक राज्य के विभिन्न जिलों का दौरा चल रहा है। 14वें दिन रविवार को सुपौल जिला मुख्यालय पहुंची।

महिलाओं को सशक्त करना और समाज एवं संगठन की मज़बूती उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ज़मीन पर रहकर संगठन के लिए मज़बूती से कार्य करनी वाली महिलाओं को आगे बढ़ाना हमारा ही नहीं बल्कि सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक संगठन की मज़बूती के लिए कार्य हो रहा है। दौरे के दौरान उन्होंने मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में महिलाओं को किसी भी तरीक़े का सम्मान नहीं है। देश की महिला पहलवान सड़कों पर हैं और देश के प्रधानमंत्री मन की बात तो करते हैं लेकिन पहलवानों की दिल की बात सुनने के लिए उनके पास समय नहीं है।

उन्होंने कहा कि भाजपा नारा देती है बेटी बचाओ लेकिन यह कहना भूल जाती है कि भाजपा के नेताओं से बेटी बहनों को बचाने की ज़रूरत है। देश में मोदी राज में एफआईआर भी बृजभूषण सिंह के खिलाफ तब हुई, जब सुप्रीम कोर्ट ने कहा। गिरफ़्तारी आज तक नहीं हो सकी। साथ में कोशी क्षेत्र के एमएलसी डॉ. अजय कुमार सिंह, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश सचिव स्नेहा रानी, व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव ई आयुष अग्रवाल व अन्य लोग उपस्थित थे।

बांग्लादेशी को वोट की नजर से ना देखें नीतीश : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, 11 जून (नि.सं.)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह सह बेगूसराय के सांसद गिरिराज सिंह ने एक बार फिर देश में घुसपैठ के मुद्दे को उठाते हुए कहा है कि आज भारत की आबादी इतनी अधिक हो गई है कि अब देश घुसपैठ को झेलने की स्थिति में नहीं है । ऐसे में अनाधिकृत रूप से जो भी विदेशी नागरिक यहां घुसपैठ कर रहे हैं उनके मंसूबों को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। उन्हें वोट बैंक की नजर से नहीं देखते हुए। 1971 से हम कह रहे हैं कि ऐसी विदेशी को नीतीश सरकार को चिन्हित करके हटाना चाहिए। अगर हमारी सरकार आएगी तो हम इस मामले में आगे कार्रवाई करेंगे।सनातन धर्म के बगैर भारत की पहचान नहीं है।

हालांकि यूपी में विभिन्न जगहों का नाम बदलने को लेकर किए गए सवाल पर गिरिराज सिंह बचते नजर आए, जब उनसे पूछा गया कि क्या यूपी की तर्ज पर बिहार में भी चिन्हित जगहों का नाम बदला जाएगा तो इस पर उन्होंने सीधे शब्दों में कहा कि जब बिहार में सरकार बनेगी तब इस मुद्दे को देखा जाएगा।

दरअसल गिरिराज सिंह आज बेगूसराय में आयोजित नव मतदाता संवाद कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि भारत के युवा भारत के भविष्य हैं और वर्ष 2024 में नव मतदाताओं की अहम भूमिका रहेगी। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि जिस तरह नए मतदाताओं में उत्साह देखा जा रहा है तो ऐसा प्रतीत हो रहा है कि 2047 तक भारत विश्व गुरु बनेगा और इसमें इन युवाओं का अहम योगदान भी रहेगा। उक्त कार्यक्रम का दीप जलाकर उद्घाटन किया गया इस मौके पर जिला भाजपा अध्यक्ष राजीव वर्मा, सांसद प्रतिनिधि अमरेंद्र कुमार अमर एवं युवा भाजपा अध्यक्ष सुमित सन्नी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

विपक्षी एकता नीतीश कुमार के वश की बात नहीं : सुशील मोदी

दरभंगा, 1 जून (नि.सं.)। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार को मोदी सरकार की तरफ से किए गए कार्य दिखाई नहीं देते हैं। नरेंद्र मोदी की सरकार की ने कश्मीर के बाद सिर्फ दूसरा एम्स बिहार को दिया जो कि दरभंगा में बनना था, लेकिन बिहार सरकार की लापरवाही से और जमीन देने में आनाकानी करने की वजह से एम्स का प्रोजक्ट लटका हुआ है। एम्स के नाम पर बिहार सरकार दरभंगा से धोखा कर रही है क्योंकि जनता दल यू के ही 20 सांसदों ने एक चिट्ठी तैयार कर प्रधानमंत्री से मिलने वाले हैं और इसे सहरसा में बनाने का जिक्र किया है। इससे साफ होता है कि बिहार सरकार की दरभंगा में एम्स बनाने को लेकर सही मंशा नहीं है। सीएम नीतीश कुमार की विपक्षी एकता मुहिम पर उन्होंने कहा कि ये सब ढकोसला है। ये सब

नीतीश कुमार के वश की बात नहीं है।

सुशील मोदी दरभंगा के लहेरिया सराय व्यापारी सम्मेलन कार्यक्रम में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने ये बातें कहीं। कार्यक्रम में दरभंगा सांसद गोपाल जी ठाकुर, दरभंगा नगर विधायक संजय सरावगी केवटी विधायक मुरारी मिश्र अलीनगर विधायक मिश्री लाल यादव समेत अन्य कई लोग मौजूद रहे।

दरभंगा सांसद गोपाल जी ठाकुर ने कहा की मोदी और हमेशा से भाजपा के नेतृत्व में विकाश की गंगा बही है। साथ ही उन्होंने कहा की एक रेल खंड बिहार सरकार की वजह से पीछे कई दशकों से लटका हुआ है। उन्होंने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा की ये लोग तो अपहरण और हत्या का होल सेल का बिजनेस खोले हुए हैं।

जनता का विश्वास मेरे लिए सबसे बड़ी पूंजी : सचिन पायलट

दौसा, 11 जून (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने रविवार को कहा कि जनता का विश्वास उनके लिए सबसे बड़ी पूंजी है और वह उन्हें न्याय दिलाने के लिए लड़ते रहेंगे और अपनी मांगों से पीछे नहीं हटेंगे।

पायलट राजस्थान में अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर राज्य की वसुंधरा राजे के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पिछली सरकार के खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच में कथित निष्क्रियता को लेकर निशाना साधते रहे हैं।

पायलट ने हाल में तीन मांगें रखी थीं, जिनमें राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) को भंग करना और इसका पुनर्गठन, सरकारी नौकरी के लिये भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने से प्रभावित युवाओं को मुआवजा देना और वसुंधरा राजे नीत पिछली भाजपा सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की उच्चस्तरीय जांच कराना शामिल है।

दौसा के गुर्जर छात्रावास में अपने पिता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पायलट ने कहा, मेरे लिए जनता के बीच में विश्वसनीयता सबसे पहली प्राथमिकता है। जनता का विश्वास, उनसे किये गए वादे और विश्वसनीयता सबसे बड़ी पूंजी है। मैं पिछले 20-22 वर्षों से राजनीति में हूं और मैंने ऐसा कोई काम नहीं किया, जिससे ऐसा लगे कि विश्वास में कमी आ गयी हो।

उन्होंने कहा, आने वाले समय में भी आपका विश्वास मेरे लिए सबसे बड़ी पूंजी है, उसमें कभी कमी नहीं आने दूंगा, मैं वादा करता हूं।

उन्होंने कहा कि स्थिति कैसी भी हो, लोगों के लिए लड़ना और उन्हें न्याय दिलाना उनका वादा था और वही रहेगा।

पायलट ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे पर भी कथित भ्रष्टाचार को लेकर निशाना साधा और कहा कि जब वह प्रदेश कांग्रेस प्रमुख थे, तब उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान पार्टी (भाजपा) पर हमला किया था।

इससे पहले, राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर आयोजित इस कार्यक्रम में सचिन पायलट के आगामी राजनीतिक कदमों की घोषणा करने को लेकर काफी अटकलें थीं।

'वादे से पीछे नहीं हटूंगा'

हालांकि, कांग्रेस ने विश्वास जताया है कि राजस्थान में पार्टी के भीतर कलह का एक सकारात्मक समाधान निकाल लिया जाएगा और सचिन पायलट द्वारा एक नयी पार्टी बनाने की खबरों को खारिज किया था।

वर्ष 2018 में राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से ही गहलोत और सचिन पायलट के बीच सत्ता को लेकर खींचतान चल रही है। साल 2020 में सचिन पायलट ने गहलोत सरकार के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया था, जिसके बाद उन्हें पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री के पद से हटा दिया गया था।

पिछले साल, राजस्थान में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर आलाकमान का प्रयास तब विफल हो गया था, जब गहलोत समर्थक, विधायक दल की बैठक में नहीं आये थे।

सचिन पायलट ने अप्रैल में पार्टी की एक चेतावनी की अवहेलना करते हुए राज्य की पूर्ववर्ती राजे सरकार के दौरान कथित भ्रष्टाचार की जांच पर गहलोत सरकार की 'निष्क्रियता' को लेकर एक दिन का अनशन किया था।

रामलीला मैदान में गरजे केजरीवाल, पीएम मोदी को कहा 'तानाशह'

नई दिल्ली, 11 जून (एजेन्सी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ रामलीला मैदान में आम आदमी पार्टी की 'महा रैली' के दौरान रविवार को केंद्र पर तीखा हमला बोला है।

अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कदम-कदम पर विफल रहने वाला 'तानाशाह' करार दिया। उन्होंने केंद्र के अध्यादेश को 'हिटलरशाही' करार दिया।

केजरीवाल ने पीएम मोदी को चौथी कक्षा तक पढ़ा राजा बताया और दिल्ली के सात सांसदों को भाजपा का गुलाम कहा। उन्होंने उन पर दिल्ली में विकास कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाया।

केजरीवाल ने कहा, 12 साल बाद हम रामलीला मैदान में इकट्ठे हुए हैं। पिछली बार हम भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने के लिए इकट्ठा हुए थे, इस बार हम एक अत्याचारी के खिलाफ लड़ने के लिए जुटे हैं, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए इकट्ठा हुए हैं।

केजरीवाल ने कहा कि 11 मई को सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने दिल्ली के पक्ष में एक आदेश पारित किया, लेकिन 19 मई को पीएम मोदी ने इसे खारिज कर दिया और एक अध्यादेश ले आए।

केजरीवाल ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि लोग सर्वोच्च हैं, दिल्ली सरकार को काम करने दें, लेकिन उन्होंने एक अध्यादेश लाया और सुप्रीम कोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया। पीएम मोदी के अध्यादेश में कहा गया है कि कोई लोकतंत्र नहीं होगा। मोदी एलजी के माध्यम से दिल्ली सरकार चलाना चाहते हैं। बाबासाहेब अंबेडकर ने लिखा था कि यह देश संविधान से चलेगा और लोग सर्वोच्च होंगे,

लेकिन मोदी कहते हैं कि दिल्ली के वोट का कोई मूल्य नहीं है।

केजरीवाल ने आगे पीएम मोदी पर उन्हें काम नहीं करने देने का आरोप लगाया।

लेकिन इस बार उन्होंने (पीएम मोदी और भाजपा) ने आपका (दिल्ली के लोगों का) अपमान किया है। मैं आपका अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकता। मोदी ने अध्यादेश लाकर दिल्ली के लोगों को थप्पड़ मारा है। हम मोदी को अध्यादेश वापस लेने के लिए मजबूर करेंगे, केजरीवाल ने कहा।

केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने कई राज्यों का दौरा किया और अनेक राजनीतिक दलों के नेताओं से मुलाकात की, जो केंद्र सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश का विरोध करने पर सहमत हुए हैं।

केजरीवाल ने आगे पीएम मोदी पर मोहल्ला क्लीनिकों को ध्वस्त करने, योग कक्षाओं को रोकने और अस्पतालों में दवाइयां बंद करने का आरोप लगाया।

दिल्ली सीएम ने कहा, पीएम मोदी ने पूरे देश को बर्बाद कर दिया है। बेरोजगारी बढ़ रही है, महंगाई बढ़ रही है, भ्रष्टाचार बढ़ रहा है, जीएसटी ने व्यापारियों को बर्बाद कर दिया है, रेलवे की हालत खराब है, लेकिन भाजपा को यह नहीं पता कि इसे कैसे रोकना है। चौथी पास राजा को नहीं पता है कि स्थिति को कैसे संभालना है। वह 2000 रुपये के नोट जारी करेंगे और फिर उसे बैन कर देंगे।

केजरीवाल ने मोदी पर आरोप लगाते हुए कहा, मैंने गरीबों को मुफ्त बिजली दी, इसमें गलत क्या है? मोदी जी, आपने पूरी सरकार अपने दोस्त को दे दी।

उन्होंने आगे पीएम मोदी पर गुजरात में कोई विकास नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी ने एक भी स्कूल का दौरा नहीं किया और फोटोग्राफी के लिए केवल एक अस्थायी स्कूल बनाया।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को जेल में डालकर पीएम मोदी सोच रहे हैं कि दिल्ली का विकास रुक जाएगा, लेकिन आप के पास सैकड़ों सिसोदिया और जैन हैं जो विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।

केजरीवाल ने दिल्ली के सात सांसदों पर अपने घरों में छिपे भाजपा के गुलाम होने का भी आरोप लगाया। अंत में उन्होंने चौथी पास एक राजा की कहानी सुनाई। कहानी में, उन्होंने कहा कि देश में हुई सभी विनाशकारी घटनाएं, चाहे वह बालासोर ट्रेन त्रासदी हो, कोविद-19 हो, या तूफान जिसने सप्तऋषि (सात संतों) की सात मूर्तियों को नष्ट कर दिया हो, सभी चौथी पास राजा की वजह से हुआ।

संकट की घड़ी में भारत मदद को हमेशा तैयार : जयशंकर

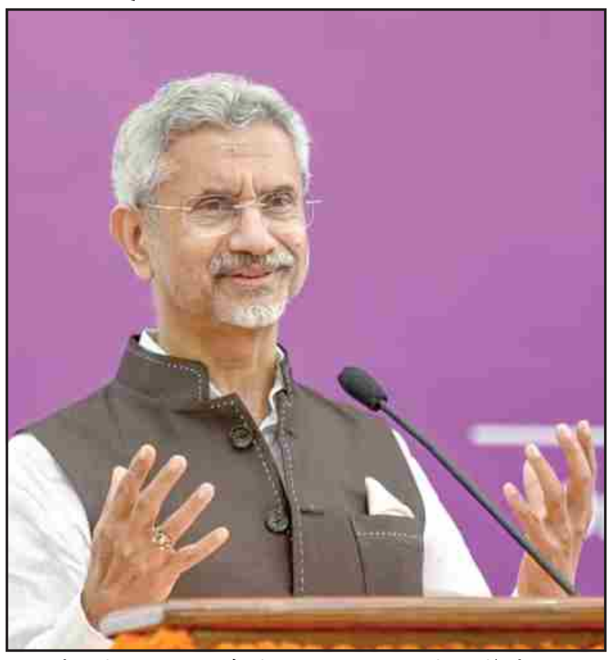

नई दिल्ली, 11 जून (एजेन्सी)। जब भी कोई संकट आता है, हम अपने देश पर भरोसा कर सकते हैं। यह बात विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को वाराणसी के गांधी अध्ययन पीठ सभा में 'भारतीय विदेश नीति: उद्देश्य और विशेषताएं' विषय पर आयोजित एक संगोष्ठी के दौरान कही। उन्होंने कहा, 'मैं ऐसे मौके पर आया हूं जब मोदी सरकार के नौ साल पूरे हो रहे हैं। जी-20 सम्मेलन करीब 60 शहरों में आयोजित किया जा रहा है। आज विकास मंत्रियों की बैठक है।'

भारत के राहत प्रयासों के बारे में बात करते हुए विदेश मंत्री ने कहा, 'आपको याद होगा कि यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाया गया था। सूडान में निवासियों को भी 'ऑपरेशन कावेरी' के जरिए वापस लाया गया था। 90 उड़ानों से यूक्रेन से देशवासियों को लाया गया था। नेपाल में भूकंप आया, फिर म्यांमार में तूफान आया।'

विदेश मंत्री ने कहा कि वह 45 साल से विदेश नीति में काम कर रहे हैं। हाल ही में हमने प्रधानमंत्री मोदी का इतना भव्य स्वागत कभी नहीं देखा था। जयशंकर ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में दलित बूथ अध्यक्ष सुजाता धुसिया के आवास पर नाश्ता किया। सुजाता के आवास पर जाने के बाद विदेश मंत्री ने कहा, 'नाश्ता स्वादिष्ट था। आज से हम वाराणसी में जी-20 कार्यक्रम चला रहे हैं। खाद्य सुरक्षा, अनाज, उर्वरक और बाजरा पर चर्चा होगी।'

इस बीच, विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, 'ऐतिहासिक शहर वाराणसी 11-13 जून तक जी-20 के तहत विकास मंत्रियों की बैठक (डीएमएम) की मेजबानी करने के लिए तैयार है।' भारत की अध्यक्षता में जी-20 के विकास मंत्रियों की बैठक 11-13 जून के बीच उत्तर प्रदेश के वाराणसी में होनी है। विदेश मंत्री एस जयशंकर बैठक की अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि भारत की अध्यक्षता में होने वाली जी-20 बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक विशेष वीडियो संबोधन भी करेंगे।

छह माह में फूल राज्य सरकार के हाथ पैर तो करने लगे आरोप की राजनीति : अनुराग ठाकुर

शिमला, 11 जून (एजेन्सी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार हिमाचल के लिए बिना भेदभाव मदद कर रही है। पूर्व में वीरभद्र सरकार के कार्यकाल में हजारों करोड़ रुपये की मदद जारी रखी। जयराम सरकार के दौरान भी हजारों करोड़ और कई बड़ी योजनाएं दीं। अब भी कोई कमी नहीं है। कहा कि जब राज्य सरकार के हाथ पैर छह माह में फूल गए तो आरोप की राजनीति करने लगे।

वह रविवार को महाजनसंपर्क अभियान के तहत दौलतपुर चौक के भंजाल में मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हिमाचल के लिए बल्क ड्रग पार्क, मेडिकल डिवाइस पार्क व अन्य बड़ी परियोजना, हजारों करोड़ रुपये के बजट स्वीकृत हुए हैं। क्या यह भेदभाव है। राज्य सरकार को जनता ने पांच साल सेवा का मौका दिया है।

आशा है कि कांग्रेस के जिन अनुभवी नेताओं के हाथों में कमान है, वह प्रदेश को कर्जे से बाहर भी निकालेंगे और विकास भी करेंगे। कहा कि मोदी सरकार का नौ साल का कार्यकाल सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के लिए जाना जाता है। मोदी सरकार के कार्यकाल में 27 प्रतिशत गरीब गरीबी रेखा से बाहर आए।

करीब 3.50 करोड़ जरूरतमंदों को पक्के मकान मिले। इसके अलावा 60 करोड़ देशवासियों को आयुष्मान के तहत पांच लाख रुपये तक इलाज मुफ्त मिला है।

कहा कि वह भंजाल में जनता का धन्यवाद करने के लिए पहुंचे हैं। जनता ने पहले भी पूर्ण बहुमत की सरकार दी और आगे भी मोदी सरकार पर जनता अपना आशीर्वाद बनाए रखे।

अनंत ने बुलंद इरादे .....

कहना न होगा कि एक छोटे शहर से निकल कर मनोरंजन जगत में यहां तक की यात्रा सफलतापूर्वक पूरा करने वाले अनंत की यह कहानी उनके जैसे अनगिनत महत्वाकांक्षी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। यह साबित करती है कि जुनून, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत से अपने सपनों को हकीकत में बदला जा सकता है। अनंत का यह सफर जारी है और अपने समर्पण, प्रतिभा और प्रतिबद्धता के बल पर उन्होंने सभी का ध्यान आकर्षित किया है।

अगर 1972 में मोदी पीएम रहे होते तो पाक और चीन से भूमि मुक्त करा लेते : बृजभूषण

गोंडा, 11 जून (एजेन्सी)। भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख और भारतीय जनता पार्टी के सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने रविवार को घोषणा की कि वह 2024 का लोकसभा चुनाव एक बार फिर अपने कैसरगंज निर्वाचन क्षेत्र से लड़ेंगे।

भारत की शीर्ष महिला पहलवानों द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे बृजभूषण शरण सिंह नरेंद्र मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के अवसर पर उत्तर प्रदेश के गोंडा में एक रैली को संबोधित कर रहे थे।

रैली का आयोजन 2024 के चुनाव के लिए भाजपा के महासंपर्क अभियान के तहत किया गया था।

रैली सिंह का शक्ति प्रदर्शन थी, जिसे पहले 5 जून को अयोध्या में की जानी थी।

हालांकि सिंह ने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों का कोई सीधा उल्लेख नहीं किया लेकिन उन्होंने अपनी बात को समझाने के लिए उर्दू में एक दोहे का इस्तेमाल किया।

उन्होंने कहा, कभी अश्क, कभी गम, तो कभी जहर पिया जाता है.. तब जा कर जमाने में जिया जाता है। ये मिला मुझे मोहब्बत का सिला, बेवफा कह कर मुझे याद किया जाता है।

उन्होंने मोदी सरकार के काम की सराहना की और पिछले नौ वर्षों की उपलब्धियों के बारे में बताया।

इससे पहले, बृजभूषण ने अपने घर से रैली स्थल तक सैकड़ों कारों के काफिले के साथ रोड शो किया।

रैली में सिंह के प्रभाव क्षेत्र के सभी छह लोकसभा क्षेत्रों के लोगों की उपस्थिति थी।

बृजभूषण शरण सिंह ने रविवार को कहा कि अगर 1971 में नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री रहे होते तो पाकिस्तान द्वारा 1947 में और चीन द्वारा 1962 में हड़पी गई जमीन को मुक्त करा लिया होता।

जिले के बालपुर में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए सिंह अपना 23 मिनट का भाषण उर्दू शायरी से शुरू कर रामचरितमानस की चौपाई से उसका अंत किया।

भाजपा नेता ने कहा, 1947 में जब कांग्रेस सत्ता में थी, देश का बंटवारा हुआ जिसका घाव अभी तक भरा नहीं है। जब कांग्रेस सत्ता में थी, पाकिस्तान द्वारा आक्रमण कर 78,000 वर्ग किलोमीटर जमीन हड़प ली गई। 1962 में जब कांग्रेस सत्ता में थी, चीन ने हम पर हमला किया और 33,000 वर्ग किलोमीटर जमीन हड़प ली।

उन्होंने कहा, 1971 में एक अप्रत्याशित घटना में 92,000 पाकिस्तानी सैनिकों को भारतीय सेना द्वारा युद्ध बंदी बना लिया गया, लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पुराना हिसाब निपटाए बगैर उन्हें छोड़ दिया। यदि मोदी जैसा प्रधानमंत्री होता तो कब्जा की गई जमीन मुक्त करा ली गई होती।

भाजपा नेता सिंह ने 1975 में देश में आपातकाल लागू करने का कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा, कांग्रेस ने 1984 में सिख विरोधी दंगों में सिखों का नरसंहार कराया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा, शुरुआत में हम यह मांग उठाया करते थे कि जहां बलिदान (श्यामा प्रसाद) मुखर्जी हुए, वह कश्मीर हमारा है। हम आज भी गर्व से यह दोहराते हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की वजह से संभव हुआ है।

हालांकि, भारतीय कुश्ती संघ के प्रमुख ने अपने 23 मिनट के भाषण में पहलवानों का कहीं जिक्र नहीं किया।

उल्लेखनीय है कि दो जून को अयोध्या के जिला प्रशासन ने यौन शोषण मामले में आरोपी बृजभूषण शरण सिंह को पांच जून को रैली का आयोजन करने की अनुमति देने से मना कर दिया था। हालांकि सिंह ने कहा था कि उनके खिलाफ पहलवानों के आरोपों की चल रही जांच की वजह से राम कथा पार्क में होने वाली जन चेतना महारैली कुछ दिनों के लिए टाल दी गई है।

फेसबुक पर एक पोस्ट में सिंह ने कहा था, मेरे प्यारे शुभचिंतकों, आपके सहयोग से मैंने लोकसभा सदस्य के तौर पर पिछले 28 वर्षों से सेवा की है। मैंने सत्तारूढ़ पार्टी

में या विपक्ष में रहते हुए सभी जातियों, समुदायों और धर्मों के लोगों को एकजुट करने का प्रयास किया है। यही वजह से कि मेरे राजनीतिक प्रतिद्वंदियों और उनकी पार्टियों ने मेरे खिलाफ झूठे आरोप लगाए हैं।

सिंह ने कहा था, मौजूदा स्थिति में कुछ राजनीतिक दल क्षेत्रवाद और जातीय टकराव को बढ़ावा देकर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं।

विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक समेत प्रमुख पहलवानों ने सिंह पर यौन शोषण का आरोप लगाया है और 23 अप्रैल से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि आठ जून को एक नाबालिग पहलवान के पिता ने कहा कि उन्होंने सिंह के खिलाफ पुलिस में जानबूझकर एक झूठी शिकायत की।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर द्वारा प्रदर्शनकारी पहलवानों को दिए गए आश्वासन के मुताबिक, यौन उत्पीड़न की जांच कर रही दिल्ली पुलिस ने 200 से अधिक लोगों के बयान दर्ज किए हैं और वह 15 जून को आरोप पत्र दाखिल करेगी। पहलवानों ने तब तक के लिए अपना विरोध टालने पर सहमति जताई है।

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR YAMUNA SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:10 DrawDate on:11/06/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 38E 63763
Cons. Prize ₹1000/- 63763 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
09089 20053 28952 63921 78316 79406 86041 92749 97191 98096
3rd Prize ₹450/-
1184 1444 3873 6420 7451 7878 7972 8525 9660 9681
4th Prize ₹250/-
0446 1764 3303 4332 4371 4628 5381 6358 6703 9293
5th Prize ₹120/-
0080 0143 0154 0257 0321 0448 0502 0641 0762 1040
1228 1239 1328 1392 1481 1642 1706 2177 2209 2224
2377 2443 2456 2525 2610 2989 2993 3099 3274 3353
3655 3866 4017 4068 4073 4111 4211 4528 4590 4669
4711 4749 4905 5071 5073 5076 5151 5179 5240 5248
5281 5351 5360 5571 5632 6111 6214 6250 6294 6367
6437 6460 6499 6576 6620 6710 6714 6879 7124 7210
7241 7245 7324 7359 7421 7566 7757 7940 7966 7980
7992 8087 8126 8250 8368 8479 8597 8702 8752 8901
8913 9056 9345 9350 9460 9525 9606 9623 9693 9705
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR SEA SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:10 DrawDate on:11/06/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 96D 65335
Cons. Prize ₹1000/- 65335 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
03829 05335 11228 14353 18811 65195 66213 66332 71507 89133
3rd Prize ₹450/-
0079 1285 1897 2079 2173 3856 4475 5285 6610 9602
4th Prize ₹250/-
0502 0653 1290 1454 1806 2364 3232 4274 5114 7131
5th Prize ₹120/-
0003 0084 0114 0140 0158 0210 0354 0431 0555 0574
0576 0715 0824 0935 1067 1115 1574 1582 1762 1819
1849 1885 1900 1922 2014 2603 2681 2751 2804 3319
3328 3353 3377 3423 3432 3582 3881 3929 4044 4166
4211 4531 4717 4795 4884 4916 5068 5167 5169 5182
5185 5229 5277 5320 5385 5409 5547 5622 5930 5958
5980 6042 6065 6084 6494 6670 6687 6756 7065 7467
7625 7649 7714 7813 7857 7921 7995 8061 8100 8112
8444 8556 8642 8879 9085 9129 9202 9231 9324 9388
9425 9433 9434 9442 9551 9563 9587 9627 9752 9775
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR TOUCAN SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:10 DrawDate on:11/06/23 MRP ₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 90K 79416
Cons. Prize ₹1000/- 79416 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
08677 11472 22978 26375 37978 64727 71747 76550 84751 86747
3rd Prize ₹450/-
2255 2678 2802 5524 5922 6179 6760 8710 8992 9377
4th Prize ₹250/-
0153 0383 2105 3773 4735 4915 6839 8945 8955 9602
5th Prize ₹120/-
0054 0069 0073 0278 0300 0304 0319 0321 0559 0735
0779 1066 1097 1110 1184 1229 1236 1499 1779 1890
2119 2138 2235 2431 2435 2455 2587 2687 2690 2746
2774 2869 2943 3247 3251 3346 3504 3542 3581 3688
3788 3919 4095 4171 4490 4520 4603 4728 4777 4851
4898 5133 5162 5225 5297 5320 5427 5491 5675 5678
5786 6002 6076 6132 6160 6330 6433 6516 6844 7035
7279 7372 7393 7440 7521 7874 7882 8042 8452 8507
8560 8599 8627 8731 8776 8824 8865 8913 9082 9210
9255 9441 9444 9481 9590 9680 9752 9796 9891 9927
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

डायबिटीज की चुनौती

देश में डायबिटीज के मरीजों की संख्या को लेकर आए ताजा आंकड़े निश्चित रूप से चौंकाने वाले हैं, लेकिन इन्हें चेतावनी के रूप में भी देखा जाना चाहिए। जाने-माने हेल्थ जर्नल लांसेट में प्रकाशित इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की ताजा स्टडी के मुताबिक देश में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 10 करोड़ से ऊपर हो गई है। हैरानी की बात यह है कि पिछले चार साल के अंदर इसमें 44 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जो बात इन आंकड़ों को ज्यादा गंभीर बनाती है वह यह भी है कि प्री-डायबिटीज मामलों की संख्या भी कम नहीं है। ताजा सर्वे के मुताबिक अगर देश की 11.4 फीसदी आबादी डायबिटीज से पीड़ित है तो 15.3 फीसदी लोग प्री-डायबिटीज श्रेणी में हैं। प्री-डायबिटीज कैटिगरी में उन लोगों को रखा जाता है जिनका ब्लड शुगर लेवल सामान्य से ज्यादा होता है, लेकिन इतना ऊपर नहीं होता कि टाइप-2 डायबिटीज की कैटिगरी में शामिल किया जा सके। ये ऐसे लोग होते हैं जिनके डायबिटिक होने का अंदेशा रहता है। प्री-डायबिटीज का कोई मामला डायबिटीज में शामिल होगा या नहीं और होगा तो कितने समय में, इसे लेकर निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता, लेकिन एक्सपर्ट्स आम तौर पर मानते हैं कि ऐसे एक तिहाई मामले डायबिटीज में तब्दील हो जाते हैं। दूसरे एक तिहाई मामले प्री-डायबिटीज कैटिगरी में ही बने रहते हैं जबकि आखिरी एक तिहाई जीवनशैली में बदलाव और ऐसे अन्य उपायों से बेहतर होकर नॉर्मल स्थिति में लौट जाते हैं। अगर प्री-डायबिटीज के एक तिहाई मामले भी डायबिटीज में कन्वर्ट हुए तो स्वास्थ्य के मोर्चे पर अगले कुछ वर्षों में गंभीर चुनौती पैदा हो सकती है। खासकर उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में, जहां हर एक डायबिटिक व्यक्ति पर प्री-डायबिटीज के क्रमश: चार और तीन मामले बताए जा रहे हैं। इन हालात में खास तौर पर किडनी पेशंट्स की संख्या में इजाफा होने जैसी स्थितियों के लिए तैयार रहने की जरूरत है। ऐसे कई मरीजों को डायलिसिस की जरूरत पड़ती है। न केवल ऐसी मशीनें कम हैं और ज्यादातर शहरी केंद्रों तक सीमित हैं बल्कि उनका बेहद खर्चीला होना भी उन्हें ज्यादातर किडनी मरीजों की पहुंच से दूर कर देता है। एनजीओ और अन्य सेवाभावी संस्थाओं की ओर से जहां-तहां ऐसी सेवाएं मुफ्त या कम कीमत पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, लेकिन यह अव्यवस्थित, अनियमित और अपर्याप्त हैं। हाल में केरल सरकार की ओर से जरूर राज्य में किडनी पेशंट्स को फ्री डायलिसिस सेवा उपलब्ध कराने की एक योजना लॉन्च की गई है, जिसके तहत हर जिले के कम से कम एक प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र में इसे शुरू करने की बात है। यह पहल सराहनीय तो है ही, अन्य राज्यों के लिए अनुकरणीय भी है।

कानून से नहीं, जागरुकता से दूर हो सकता है बालश्रम

अजीत सिंह

बात 2020 की है। प्रयागराज में जाते वक्त हमेशा छोटे बच्चे भिखारी के रूप में टकराते। मैंने एक दिन तीन बच्चों को पकड़ा और उनके माता-पिता तक उनको लेकर गया। अपनी पूरी टीम के साथ उनको समझाइश दी। उन्हें कपड़े सिलवाए, कापी-किताब की व्यवस्था के साथ स्कूल की शिक्षा के लिए प्रेरित किया। फिर स्कूल में प्रवेश दिलवाया। बात सब हो गयी। वे लोग बहुत समझाने के बाद समझ गये, लेकिन पुन: एक सप्ताह बाद देखा तो बच्चे भीख मांगते हुए मिले। मैं थोड़ी देर के लिए भौचक हो गया। फिर उनके माता-पिता के पास गया। उनको बताने लगा, आप लोग बच्चों की जिंदगी के साथ क्यों खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने जो कहा, उसे सुनकर मैं अवाक रह गया।

उनका कहना था, भाई साहब, जीवन हम बर्बाद नहीं कर रहे। वह तो स्कूल वाले बर्बाद कर देंगे। ये बताइए कि स्कूल में पढ़ने के बाद क्या कोई गारंटी है कि इन्हें कोई नौकरी मिल जाएगी? यदि नौकरी नहीं मिलेगी तो ये क्या करेंगे। पढ़ने के बाद तो ये भिक्षावृत्ति भी नहीं कर सकते। इनके लिए फिर इस परिस्थिति में क्या कर सकते हैं। अभी तो यह बाल्यावस्था से ही हम भिक्षावृत्ति के लिए ट्रेंड करते हैं तो हर दिन ये लोग चार सौ से पांच सौ तक घर लेकर शाम तक आ जाते हैं। धीरे-धीरे ये एक हजार प्रतिदिन कमाने की क्षमता विकसित कर लेंगे। भिक्षावृत्ति भी एक कला है, जिसे सीखने की जरूरत है।

उनकी बातों को सुनकर अवाक था। उनको कानून का हवाला भी दिया कि भिक्षावृत्ति करवाना कानूनन जूर्म है, लेकिन उनके ऊपर कोई असर नहीं पड़ा। फिर मेरे समझ में आया, यह कानून वैसे ही है, जैसे दहेज प्रथा के खिलाफ बनाया गया कानून है। उससे दहेज प्रथा आज तक रूक नहीं पायी। हां, वह कानून सिर्फ लोगों को एक हथियार जरूर मिल गया। लड़की पक्ष को एक सहुलियत जरूर दे गया, जब कोई भी, किसी भी तरह का विवाद हो तो उस कानून का सहारा ले लो। भले ही बात कोई दूसरी हो, लेकिन देहज उत्पीड़न का कानून लागू हो जाता है। सबका लब्बोलुआब यह है कि कानून के माध्यम से दहेज प्रथा दूर नहीं की जा सकती। वैसे ही कानून बनाकर बालश्रम को दूर नहीं किया जा सकता है।

यह बात भले भिक्षावृत्ति की हो, लेकिन बालश्रम पर भी यही बात लागू होती है। ईंट-भट्टों पर भी काम करने वाले बाल श्रमिकों के मां-बाप को चाहे जो कानून का भय दिखा दें, लेकिन वे इसको मानने वाले नहीं हैं। हां, इतना जरूर है कि भट्टा मालिक इससे भयभीत होकर अपने यहां काम ही न लें, लेकिन जब वह काम नहीं लेगा तो ऐसे मां-बाप कुछ न मिलने की स्थिति में भिक्षावृत्ति ही करवाएगा। वह किसी दुकान पर अपने बच्चों को काम करने के लिए प्रेरित करेगा। हमारी समझ से इसका एक मात्र तरिका है, इसके लिए कोई विवेकानंद का होना। जो समझा सके। उसके मां-बाप को पढ़ाई का लाभ बता सके और उसे समझाने सफलता प्राप्त कर सके।

ऐसा भी मैंने खुद अनुभव किया है। झारखंड के चार मजदूर अपने बच्चों के साथ जब प्रयागराज के यमुनापार में एक भट्टे पर काम करने आये थे तो उन्हें एक सप्ताह तक दो-दो घंटे तक बिना कानून की बात बताये, पढ़ाई की समझाइश दी गयी। इसके साथ ही उन्हें विधिवत बताया गया कि पढ़ने के बाद यदि बच्चों को नौकरी भी नहीं मिली, तब भी वे बिना पढ़े लोगों की अपेक्षा किसी भी काम में बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे। आने वाले जमाने में बिना पढ़े लोगों से लोग मजदूरी भी नहीं करवाएंगे। इस तरह की समझाइश चार लोगों की टीम ने बारी-बारी से दिया और आज उनके बच्चे स्नातक कर चुके हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस की औपचारिकता तभी सार्थक होगी, जब हम बच्चों के अभिभावक को कानून नहीं, शिक्षित समाज के फायदे बताने में सफल हों। उनको भय नहीं, उनको इसके फायदे बता सकें। इसके लिए वे राजी हो जायं। वे इसके महत्व को अच्छी तरह समझ लें। यह भी सच है कि किसी शिक्षित की अपेक्षा, अशिक्षित को समझाना आसान होता है, लेकिन इसके लिए समाज को दृढ़ संकल्पित होना पड़ेगा। बालश्रम की तमाम बुराइयों को बताकर उसके प्रति उनके मन में घृणा पैदा करना होगा, जिससे वे जागरूक हो सकें। तभी हम जड़ से इसे समाप्त करने के बारे में सोच सकते हैं।

कानून वैसे ही है, जैसे मलेरिया की दवा से मलेरिया रोग तो ठीक हो सकता है, लेकिन मलेरिया हो ही नहीं, इसके लिए हमें मच्छरों को जड़ से खत्म करना चाहिए। मच्छर जनित समाज में फिर किसी कानून की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। इसके हमें जागरूक करने पर बल देना चाहिए। यह रास्ता भले कठिन है लेकिन बालश्रम या समाज की किसी भी बुराई को दूर करने का यही सबसे अच्छा तरीका हो सकता है।

जहां तक सरकार के प्रयास का सवाल है, इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि पहले एनएलसीपी चलती थी, जिसके तहत बालश्रमिकों के लिए अलग से विद्यालय चलाए जाते थे। वह श्रम विभाग के अंतर्गत चलते थे। सरकार उसे बंद कर दिया। साथ ही जो चलते थे, उनके पैसे का भी भुगतान नहीं किया गया। उन्हें इस संबंध में जानकारी भी नहीं मुहैया कराई गयी। ऐसे में सरकार की मंशा समझा जा सकता है। इसका मतलब यह मान लिया जाय कि देश में बाल श्रमिक बच्चे ही नहीं है। इसका उदाहरण तो आप लोगों को आज भी होटलों, ढाबों पर देखने को मिल जाएंगे, लेकिन सरकारी तंत्र को यह नहीं दिखता, क्योंकि उन्हें अपना कोटा पूरा करना है। उनको समाज की परेशानियों से क्या लेना-देना।

हमें तो कल प्रयागराज में ईंटभट्ठे पर काम कर रही मां के बच्चे की मौत पर सरकार के तफ्तीश का इंतजार है, जो अपनी मां को 45 डिग्री तापमान में पानी देने जा रहा था। उसके सिर पर ईंट गिरा और वह भगवान की शरण में चला गया। आखिर उस बच्चे का क्या दोष था। उसमें सिस्टम को इतना तो देखना चाहिए कि यदि कोई महिला या पुरूष को काम पर लगाया गया है तो उसको पानी की व्यवस्था होनी चाहिए, लेकिन असहिष्णु समाज में सहिष्णुता की कल्पना करना बेमानी होगी। सरकार की तफ्तीश भी होगी, कुछ दिन अखबारों की सुर्खियां भी बनेंगी, लेकिन सब कुछ समय के साथ सुनसान जगह पर दफन हो जाएगा। यहां रह जाएगी सिर्फ अपने बच्चे के लिए तपड़ने को मजबूर एक मां। उसकी जिंदगी तपड़ते हुए ही बितने को मजबूर होगी।

'जनरल' की पहचान जरूरी

ऋतुपर्ण दवे

बालासोर रेल क्रैश की जांच सीबीआई के सुपुर्द करना भले ही साजिश या दुर्घटना का फासला समझना हो, लेकिन बड़ा सवाल, जिसका जवाब जरूरी है, है कि क्या रेलवे में अपनाई जा रही तकनीकें पूरी तरह से सुरक्षित हैं?

इधर, याद भी नहीं कि देश में कभी हवा से बातें करती हुई कोई सवारी गाड़ी ट्रैक पर खड़ी मालगाड़ी से जा टकराई हो जिसमें लौह अयस्क भरा हो जिससे मालगाड़ी अपनी जगह से हिले। कोरोमंडल सवारी गाड़ी के साथ यही हुआ। मालगाड़ी से टकराए डिब्बे ताश के पत्तों सरीखे दूर दूसरे ट्रैक तक बिखर गए। दुर्योग ही था कि चंद सेकंड के अंतर पर यशवंतपुर एक्सप्रेस आ गई जिसकी आखिरी दो बोगियां कुछ सेकंड पहले क्रैश होकर छिटकी कोरोमंडल के डिब्बों से जा टकराई।

देर शाम के धुंधलके में हुई दुर्घटना की भयावहता का अंदाजा कृत्रिम रोशनी से हो तो गया था लेकिन हकीकत सुबह सामने आई जब सूरज की रौशनी छिटकते ही सारे मंजर की सरसरी तस्वीरों ने रोंगटे खड़े कर दिए। उससे भी ज्यादा ड्रोन तस्वीरों में ऊपर से दिखे आपस में गुंथे डिब्बों ने हतप्रभ कर दिया। दुर्घटना के मानवीय पहलू से ज्यादा यांत्रिकीय और तकनीकी पहलू पर पहली बार इतनी चर्चा होना बताता है कि वजह और सच्चाई उतनी साफ नहीं है, जो होनी चाहिए। रेलवे बोर्ड के चंद सदस्य न्यूज चैनलों पर नक्शे दिखाकर जिस तरह सफाई देते रहे उससे कई सवाल कौंधने वाजिब हैं। सीबीआई जांच हो रही है तो फिर अंदेशों पर ऐसी हाय-तौबा कैसी?

भारत में रेल दुर्घटनाओं के आंकड़े बताते हैं कि ज्यादातर हादसे आउटर के बाद मुख्य ट्रैक के लूप ट्रैकों पर बंटी शाखाओं में होते हैं। इंटरलॉकिंग मैनुअल व्यवस्था डिजिटलाइज हो गई, ट्रैक पर बिछा एक पतला तार स्टेशन कंट्रोलर की स्क्रीन पर सारी गतिविधियों को विज्युअलाइज करता है। उपलब्धि और रेल हादसे के बीच नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी सीएजी की वो रपट बेहद सुर्खियां में है, जिसमें 2017-18 से 2020-21 के बीच खराब ट्रैक रखरखाव, ओवरस्पीडिंग और मैकेनिकल फेल्योर ट्रेनों के डिरेलमेंट के प्रमुख कारण गिनाए गए। दिसम्बर, 2022 में संसद में पेश रिपोर्ट में ट्रैक के रखरखाव की कमी अहम तो दूसरी ट्रैक नवीनीकरण हेतु समुचित पैसा नहीं होना बताया गया। अब एक धारणा आम हो रही है जो चिंतनीय है कि सरकार का पूरा ध्यान बड़े और अभिजात्य वर्ग पर है। वन्दे भारत ट्रेनों के शुभारंभ की चमकदार तस्वीरों, बुलेट ट्रेन की गुदगुदाती बातों पर जनप्रतिक्रिया से समझ आता है कि बहुसंख्य मध्यमवर्गीय भारतीयों की इसमें सवारी की अभी हैसियत नहीं है। ऐसे में क्या लक्जरी ट्रेनों पर फोकस वाजिब है? आम लोगों की जनरल रेलगाड़ियां और पटरी पर किसका ध्यान है? 100 प्रतिशत सच्चाई भी है कि आम सवारी गाड़ियों का परिचालन-संचालन ठीक नहीं है। मेमू, डेमू और जनशताब्दी ट्रेनों की बातें भूल कर चुनिंदा प्रीमियम गाड़ियों और स्टेशनों पर सुविधा से 140 करोड़ की आबादी वाले देश में 90 प्रतिशत लोगों का कोई सरोकार है ही नहीं। वहीं एक बात और कि जब से आम बजट में रेल बजट का विलय हुआ है, तब से भारतीय जनमानस को रेलवे की गहराई से जानकारी नहीं हो पाती। याद कीजिए, पहले रेल बजट को लेकर लोग कैसे उत्साहित रहते थे। आम और खास का पूरा ध्यान अपने क्षेत्र की सुविधाओं पर होता था, बड़े ध्यान से रेल बजट सुना जाता था।

रेलवे पूरी तरह से व्यावसायिक रंग में रंगी दिखती है, जो सभी समझ रहे हैं1 ज्यादातर कोयला गाड़ियां दिखना आम है। 2.8 किमी. लंबी चार मालगाड़ियां यानी 251 बोगी जोड़कर 4 इलेक्ट्रिक इंजनों को कभी शेषनाग तो कभी एनाकोंडा तो कभी सुपर एनाकोंडा, तो कभी 177 बोगियों के साथ 15 हजार टन लोड लेकर दौड़ना। इससे भी आगे मौजूदा रेल मंत्री ने नया रिकॉर्ड बना डाला। स्वतंत्रता की 75वीं वषर्गांठ पर सुपर वासुकी स्पेशल फ्रेट ट्रेन-सुपर वासुकी-नाम से चलवाई। 6 इंजन, 295 डिब्बे (6 मालगाड़ी बराबर), साढ़े 3 किमी. लंबी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यानी बिलासपुर रेल जोन में दौड़ी गाड़ी अमृत महोत्सव का हिस्सा बन सबसे भारी और लंबी मालगाड़ी बनी। 27000 टन कोयला भर कर कोरबा से राजनांदगांव के परमकला 260 किमी. का सफर 11 घंटे 20 मिनट में पूरा हुआ। इससे 2 करोड़ 54 लाख रुपये का एक चक्कर का भाड़ा मिला। इसके फर्राटे से गुजरते वीडियो को रेल मंत्री अनिी वैष्णव ने अपने ट्विटर हैंडल शेयर कर फख्र से लिखा कि स्टेशन पार करने में लगभग 4 मिनट लगे।

वहीं इसी रेल जोन का दूसरा स्याह पहलू भी है। बिलासपुर-कटनी रूट पर चलने वाली गाड़ियां, जिनमें हमसफर, संपर्क क्रांति, सुपर फास्ट तक शामिल हैं, घंटों लेटलतीफी का रिकॉर्ड बना रही हैं। यह अकेला रूट हो चुका है जहां आगे कनेक्टिंग ट्रेन मिलेगी या नहीं कोई नहीं जानता। इसी अनिश्चितता से रोजाना हजारों यात्री परेशान होते हैं। सैकड़ों कंफर्म टिकट बेकार होकर रेलवे की झोली भरते हैं। बेशक, कोयला ढुलाई में बिलासपुर जोन का नाम अहम है, लेकिन सवारी गाड़ियों की बदहाली, लेटलतीफी की भी बानगी है।

140 करोड़ का आंकड़ा छूते ही दुनिया में आबादी नंबर वन पर हम जरूर पहुंच गए लेकिन लगता नहीं कि उसी रफ्तार से रेलयात्री सुविधाएं भी बढ़ीं? बिलासपुर-कटनी फ्रेट कॉरीडोर रूट लगभग चालू है। स्थानीय सांसद ने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर शहडोल-नागपुर बेहद जरूरी ट्रेन की बात रखी। रेल मंत्री ने भी आासन दिया। बरस बीत गया न ट्रेन मिली न जवाब। यह हाल है उस जोन का है जो कोयला भाड़ा से जितना जबरदस्त कमाता है, यात्री सुविधाओं की उतनी ही दुर्दशा भी है। कोरोमंडल एक्सप्रेस में टक्कररोधी यानी एंटी-कोलिजन उपकरण नहीं होने की बातें सामने आई। सीबीआई सहित अन्य जांच में फोरेंसिक प्रक्रिया अपनाई जाएगी। पूछताछ होगी जिससे शायद इलेक्ट्रॉनिक तकनीक पर उठ रहे सवालों के जवाब मिलें? रेलपांतों पर बिछने वाला वो पतला तार जो स्क्रीन पर ट्रैक की सारी गतिविधियों को मॉनीटर करता है, खुद कैसे ट्रेस होगा?

आरक्षित यात्रियों का लेखा-जोखा तो है, लेकिन जनरल बोगियों में कितने लोग कहां-कहां से थे, कैसे पता चलेगा? सरकारी आंकड़े और वास्तविक आंकड़ों की जंग पहले की दुर्घटनाओं की तरह न कभी खत्म हुई, न इसमें होगी। ऐसे हालात में जनरल बोगियों के सफर में भी क्या पहचानपत्र की अनिवार्यता जरूरी नहीं लगती? यात्री अपनी पहचान के साथ ही सवार हो, हर टिकटधारी की पहचान, मोबाइल नंबर और गाड़ी का विवरण हो। दुर्भाग्यजनक स्थितियों में वास्तविक आंकड़ों और पहचान का यह बेहतर तरीका होगा जिससे परेशान परिजनों, बेसुध घायलों, मारे गए लोगों की पहचान तो हो सकेगी! विंडो पर थोड़ा वक्त जरूर लगेगा, लेकिन जान, जहान और पहचान के लिए इसमें बुराई क्या है?

क्या मायावती राजनीतिक अज्ञातवास से बाहर आएंगी?

पवन के. वर्मा

अब जब हम 2024 के संसदीय चुनावों की ओर बढ़ रहे हैं तो बहुत सारे लोग एक सवाल पूछ रहे हैं : मायावती कहां गुम हो गई हैं? वे ऐसी राजनेत्री हैं, जो यूपी की पहली महिला दलित मुख्यमंत्री बनीं और वह भी चार बार। 2007 में तो उन्होंने पूर्ण बहुमत प्राप्त किया था। लेकिन आज लगता है जैसे वे राजनीतिक अज्ञातवास में चली गई हों। 1995 में जब वे पहली बार यूपी की मुख्यमंत्री बनी थीं तो वे इस राज्य की सबसे युवा सीएम थीं। 1989 में जब वे बिजनौर से सांसद चुनी गईं, तब वे मात्र 33 वर्ष की थीं। तब से वे लोकसभा और राज्यसभा की अनेक मर्तबा सदस्य रह चुकी हैं।

मायावती के पिता यूपी के दादरी के निकट एक गांव के डाकघर में काम करते थे। उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए दिल्ली के कालिंदी कॉलेज से ग्रैजुएशन किया और डीयू की लॉ फैकल्टी से कानून की डिग्री हासिल की। उन्होंने मेरठ यूनिवर्सिटी से बी-एड भी किया। 1977 में जब वे सिविल सेवाओं की परीक्षाओं की तैयारी कर रही थीं, तब उनकी भेंट उनके मेंटर कांशी राम से हुई। कांशी राम का दृष्टिकोण सामाजिक न्याय वाले भारत के निर्माण का था और डॉ. मनमोहन सिंह ने उचित ही उन्हें हमारे समय के महानतम सामाजिक सुधारकों में से एक बताया था। कांशी राम को मायावती में सम्भावनाएं नजर आईं।

मायावती आईएएस अधिकारी बनना चाहती थीं, लेकिन कांशी राम ने उनसे कहा कि अगर तुम राजनीति में प्रवेश करोगी तो अनेक आईएएस तुम्हें रिपोर्ट करेंगे। उनकी भविष्यवाणी नाटकीय रूप से सही साबित हुई। 1984 में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की स्थापना की गई। 1989 तक मायावती लोकसभा में प्रवेश कर चुकी थीं। मात्र छह वर्ष बाद वे यूपी की मुख्यमंत्री बन गईं। 2001 में कांशी राम ने घोषणा की कि बहनजी उनकी उत्तराधिकारी होंगी और वे बसपा की अध्यक्ष बनीं।

मायावती ने जिस तेजी से राजनीति में सफलता की सीढ़ियां चढ़ीं, वह चमत्कारिक लग सकता है, लेकिन इसका एक कारण था। भारत में अनुसूचित जातियां बहुत बड़ा वोटबैंक हैं और उनकी आबादी 25 करोड़ के आसपास है। यूपी में तो 17ज आबादी दलितों की है, जबकि यादव 8ज ही हैं। पंजाब-जहां कांशी राम का जन्म हुआ था- में तो दलितों की 32ज आबादी है। यह देश में सर्वाधिक है। भारत की राष्ट्रीय राजनीति में अनुसूचित जातियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

मायावती इस वर्ग की सफलतम नेत्री हैं। लेकिन उनका काम अभी पूरा नहीं हुआ है। आरक्षण व अन्य साधनों के बावजूद आज भी दलितों का शोषण व अपमान किया जाता है और उन्हें हिंसा का शिकार बनना पड़ता है। मायावती से यह भूल हुई कि कांशी राम का बहुजन आंदोलन राष्ट्रीय था, लेकिन उसे उन्होंने मुख्यतया यूपी तक सीमित कर दिया। अब वे यूपी में भी हाशिए पर हैं।

उनके राजनीतिक निर्वासन की क्या वजह हो सकती है? 2007 से 2012 के दौरान अपने मुख्यमंत्रित्वकाल में उन्होंने कुशलतापूर्वक सरकार चलाई थी, राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति सुधरी थी और दंगे, दुष्कर्म आदि की घटनाएं कम हुई थीं। उन्होंने गरीबों के लिए अनेक योजनाएं चलाईं। पिछली सरकारों की तुलना में उनके कार्यकाल में भ्रष्टाचार भी कम हुआ। उन्होंने अभी तक उपेक्षित रहे पिछड़ा वर्ग के प्रतीकों को सम्मान देकर एक ऐतिहासिक नैरेटिव में भी सुधार किया। 2007-08 में उन्होंने 26 करोड़ का आयकर चुकाया था, जो कि देश में सर्वाधिक में से एक था।

सीबीआई ने आय से अधिक सम्पत्तियों के मामले में उन पर मामला दर्ज किया, लेकिन मायावती ने उन्हें प्राप्त हुए अनुदानों के सारे विवरण प्रस्तुत कर दिए। सुप्रीम कोर्ट ने उनके विवरणों को मान्यता दी। मायावती जिस आलीशान तरीके से अपने जन्मदिन मनाती थीं, उस पर आलोचकों ने अंगुली उठाई थी, लेकिन आज ऐसा कौन-सा राजनेता है, जिसे अपने पर्सनैलिटी कल्ट को बढ़ावा देने के लिए मितव्ययिता का परिचय देने का श्रेय दिया जा सकता हो?

ऐसे में प्रश्न उठता है कि मायावती राजनीतिक रूप से पूरी तरह निष्क्रिय क्यों हो गई हैं? अफवाहों की मानें तो भाजपा के पास उनकी ऐसी सम्पत्तियों की जानकारी है, जिसके लिए उन्हें दोषी ठहराया जा सकता है। इसके चलते उन्होंने बैकसीट पर रहने का निर्णय किया है। लेकिन उनका दलित, ब्राह्मण, मुसलमान वाला संयोजन आज भी एक चुनाव जिताऊ फॉर्मूला है। पिछले लोकसभा चुनाव में बसपा ने 10 सीटें जीती थीं, जबकि उनके गठबंधन सहयोगी समाजवादी पार्टी को 5 ही सीटें मिल सकी थीं। वे अब भी भारत की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। पर सवाल है कि क्या वे 2024 की चुनौती स्वीकारेंगी?

मायावती निष्क्रिय क्यों हो गई हैं? उनका दलित, ब्राह्मण, मुसलमान वाला संयोजन आज भी एक चुनाव जिताऊ फॉर्मूला है। वे अब भी भारत की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। पर क्या वे 2024 की चुनौती स्वीकारेंगी?

सालों से मेहनत कर रहा हूं जल्द कई प्रोजेक्ट्स में नजर आऊंगा

रणदीप हुड्डा, उर्वशी रौतेला, फेडी दारूवाला और अध्ययन सुमन स्टारर वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' हाल में रिलीज हुई है। नीरज पाठक निर्देशित इस सीरीज में अध्ययन सुमन ने एक पॉलिटिकल गून का रोल प्ले किया है। सीरीज के लिए 9 किलो वजन बढ़ाना पड़ा। मेरा कैरेक्टर पॉलिटिकल खानदान के गुंडे का है। पहले इसको राजगद्दी मिलने वाली थी पर बाद में इसके भाई को मिल जाती है। यह दारूबाज है, ड्रग्स लेता है और बेतहाशा स्मोकिंग करता है। यह आधे टाइम नशे में रहता है तो कुल मिलाकर यह फिजिकली फिट रहने वाला बंदा नहीं है। वजन बढ़ाना तो मेरे लिए मुश्किल नहीं था पर इसके लिए फिर से स्मोकिंग करना थोड़ा टफ था। एक टाइम पर में स्मोकर था लेकिन पांच साल पहले सिगरेट छोड़ चुका हूं। इस कैरेक्टर के लिए एक टेक में कई बार सिगरेट पीनी पड़ती थी तो बहुत तकलीफ होती थी। फेफड़े जल गए पर इस किरदार को जीवंत बनाने के लिए इतना तो करना ही था। मैंने पहले एक महीने में 9 किलो वजन बढ़ाया और फिर 12 किलो वजन घटाया। वजन बढ़ाना मेरे लिए आसान है क्योंकि मैं कुछ भी खाऊं, मेरा वजन बढ़ जाता है। हां, वजन घटाना मेरे लिए काफी तकलीफ भरा रहा। इस सीरीज के कुछ फिल्में और कई सारे वीडियो सॉन्ग शूट करने थे तो उसके लिए अब तक 12 किलो वजन घटा चुका हूं। मैंने हाल ही में बतौर एक्टर और डायरेक्टर 6 वीडियो सॉन्ग शूट किए हैं। पिछले हफ्ते इसमें से एक गाना रिलीज भी हो चुका है। इसके अलावा तीन फिल्में भी कर रहा हूं। इसमें एक थ्रिलर फिल्म 'इंट्रैप' है। इसकी कहानी एक ऐसे लड़के की है जो अपनी गर्लफ्रेंड के साथ गाड़ी की डिग्गी में फंस जाता है। यह एक अलग कॉन्सेप्ट वाली सर्वाइवल फिल्म है। दूसरी फिल्म 'कॉन मैन' है। इसकी कहानी एक ऐसे सॉफ्टवेयर इंजीनियर की है जो हैकर बनना चाहता था पर कोई उसके ही अकाउंट से सारे पैसे उड़ा देता है।

जेलर की शूटिंग खत्म करने पर तमन्ना को रजनीकांत से मिला खास तोहफा

तमन्ना भाटिया और रजनीकांत ने आखिरकार अपनी अपकमिंग

सिनेमाघरों में रिलीज होगी। साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार के रूप में पहचाने जाने वाले अभिनेता रजनीकांत की फिल्म जेलर पिछले काफी समय से मीडिया के गलियारों में चर्चा का विषय बनी हुई है।

शूटिंग हाल ही में पूरी हुई है। ऐसे में शूटिंग खत्म होने का जश्न मनाने के लिए निर्माताओं ने सेट पर केक काटा था, जिसकी तस्वीर सोशल

तमन्ना भाटिया भी अहम भूमिका में हैं और हाल ही में अभिनेत्री ने खुलासा किया है कि जेलर की शूटिंग खत्म होने के बाद उन्हें रजनीकांत से एक खास तोहफा भी मिला है, जिसे पाकर वह बहुत खुश हैं। तमन्ना भाटिया और रजनीकांत ने आखिरकार अपनी अपकमिंग

सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह पहली बार होगा जब अभिनेत्री दिग्गज अभिनेता के साथ स्क्रीन साझा करती नजर आएंगी और वह रिलीज

बातचीत के दौरान, तमन्ना भाटिया ने बताया कि कैसे वह अनुभवी अभिनेता के साथ काम करने का अवसर पाकर अपने आप को भाग्यशाली और धन्य महसूस कर रही हैं। फिल्म में रजनीकांत के साथ काम करने को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए तमन्ना ने कहा, रजनीकांत सर के साथ काम करना सपने के सच होने जैसा है। जेलर के सेट पर बिताए पलों को मैं हमेशा संजो कर रखूंगी। उन्होंने मुझे आध्यात्मिक यात्रा पर एक किताब भी गिफ्ट की है।

कबीर खान की अपकमिंग फिल्म पर काम शुरू

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म सत्यप्रेम की कथा को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में बने हुए हैं। इस फिल्म में एक्टर के अपोजिट कियारा आडवाणी नजर आएंगी। इसी बीच कार्तिक को लेकर खबर आई है कि उन्होंने फिल्म निर्माता कबीर खान के साथ अपनी अगली फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। इस अनटाइटल्ड एक्शन ड्रामा की शूटिंग बुधवार को फिल्म सिटी, गोरेगांव के जोकर मैदान में शुरू हुई। मूवी को लेकर कई बड़े और अहम अपडेट सामने आए हैं। रिपोर्ट की मानें तो डायरेक्टर ने 10 दिनों का शेड्यूल तैयार किया है, जिसके तहत फिल्म के एक्शन सेट-पीस को लॉक किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शूटिंग की शुरुआत कार्तिक के हाथ से हाथ मिलाने वाले सीक्वेंस के साथ हुई। शेड्यूल को इस तरह से प्लान किया गया है कि शहर में मानसून आने से पहले प्रमुख आउटडोर फाइट सीन शूट किए जाएंगे। इस फिल्म में दंगल देखने को मिलेगा। बहुत सारी अटकलों के बाद, जुलाई 2022 में फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई। यह कार्तिक और कबीर के बीच पहले सहयोग का प्रतीक है। फिल्म कथित तौर पर एक अज्ञात नायक के बारे में एक आकर्षक सच्ची कहानी है। फिल्म को लेकर बीते दिनों कबीर खान ने कहा था कि यह 83 के विपरीत एक ऐसे नायक की कहानी है, जिसके बारे में लोग नहीं जानते हैं।

टेलर स्विफ्ट को डेट कर रहे दिलजीत दोसांझ?

मशहूर अमेरिकी सिंगर टेलर स्विफ्ट के लिए यह वर्ष काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। लंबे समय से जो अल्विन को डेट कर रहीं सिंगर ने इस वर्ष अपना रिश्ता खत्म कर दिया। वहीं, अब स्विफ्ट से जुड़ी नई खबर ने सोशल मीडिया की हलचल बढ़ा दी है। ताजा रिपोर्ट की मानें तो, वेनक्यूवर के एक रेस्तरां में टेलर स्विफ्ट और पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ को एक साथ स्पॉट किया गया, जहां दोनों बेहद करीब नजर आए। सिंगर-एक्टर दिलजीत दोसांझ किसी ग्लोबल आइकन से कम नहीं हैं। वह कोचेला फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शन करने वाले पहले सेलिब्रिटी हैं। लवर, पीचेस और लेमनेड जैसे बेहतरीन गानों के जरिए दिलजीत ने दुनियाभर में अपनी फैन फॉलोइंग बनाई है। इसके अलावा उन्होंने गुड न्यूज, जोगी और हौंसला रख जैसी बेहतरीन फिल्मों में एक्टिंग का भी जलवा दिखाया है। हालांकि, टेलर स्विफ्ट बीते कुछ समय से मेट हेली के साथ रिलेशनशिप में होने की खबरों को लेकर लाइमलाइट में बनी हुई हैं। इसी बीच उनकी दिलजीत दोसांझ संग नजदीकियों की खबर ने फैंस को हैरान कर दिया है। वहीं, डेटिंग की अफवाहों पर पंजाबी सिंगर ने बकायदा ट्वीट कर अपना पक्ष साफ किया है। दिलजीत दोसांझ ने ट्वीट कर लिखा है, यार प्राइवेसी नाम की भी कोई चीज होती है। दिलजीत दोसांझ और टेलर स्विफ्ट को लेकर एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दोनों वेनक्यूवर के केक्टस क्लब कैफे कोल हारबर में क्वालिटी टाइम स्पैंड कर रहे थे। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि दोनों साथ में हंसते-हंसते एक दूसरे के बेहद करीब आ गए थे। सोमवार को दोनों को स्पॉट किया गया और इनकी डेटिंग की अफवाहों ने तूल पकड़ना शुरू कर दिया। दिलजीत दोसांझ के वर्कफंट की बात करें तो वह जल्द अमर सिंह चमकीला के किरदार में नजर आएंगे। मूवी में एक्टर के अपोजिट बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा होंगी।

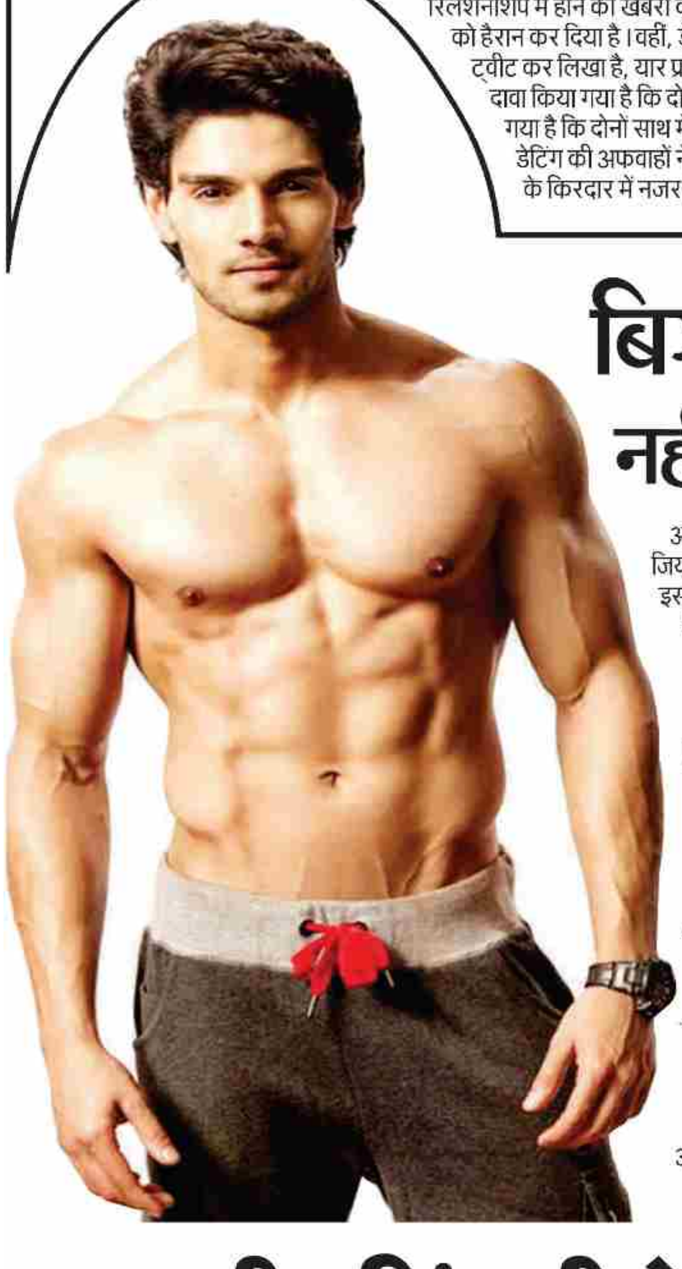

बिग बॉस ओटीटी 2 में नहीं दिखेंगे सूरज पंचोली

आदित्य पंचोली के बेटे सूरज पंचोली के बेटे सूरज पंचोली को आखिरकार जिया खान आत्महत्या मामले में उकसाने के आरोप में बरी कर दिया गया है। इस फैसले के आने में लगभग 10 साल का समय लग गया। सूरज एक बार फिर से अपना करियर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच हाल ही में खबर आई की सूरज बिग बॉस के नए सीजन में शामिल होंगे। हालांकि, सूरज ने इस तरह के दावों को गलत बताया। सूरज ने कहा- 'मुझे नहीं पता कि यह कहां से आया है। मैं निश्चित तौर से सलमान सर के लिए भी बिग बॉस का हिस्सा नहीं बन रहा हूं, जिनकी मैं बहुत रिस्पेक्ट करता हूं। रियलिटी शो, चाहे वो बिग बॉस हो या कुछ और यह सब मेरे बस की बात नहीं है। सूरज ने आगे कहा- 'टेलीविजन पर जाना और अपने बारे में बात करना मेरे स्वभाव का हिस्सा नहीं है। मैं बहुत शर्मीला और निजी व्यक्ति हूं। पिछले दस सालों से बिना गलती के मेरी लाइफ के बारे में

प्राइवेसी को महत्त्व दे सकता हूं। उन्होंने आगे कहा- 'मेरे करियर के इस पड़ाव पर इस तरह की रिपोर्ट्स पब्लिश करना अच्छा नहीं है। मैं अब अच्छे फिल्ममेकर्स से मिल रहा हूं।

17 जून से शुरू होगा बिग बॉस ओटीटी सीजन 2

बिग बॉस 17 जून से ओटीटी जियो सिनेमा पर स्ट्रीम होगा। अब तक कयास लगाए जा रहे हैं कि शो में आवेज दरबार, फैसल शेख, अंजलि अरोड़ा, मुनव्वर फारूकी, जिया शंकर, पारस अरोड़ा, महीप कपूर, पूनम पांडे, उमर रियाज और पूजा गौर जैसे एक्टर्स शामिल हो सकते हैं।

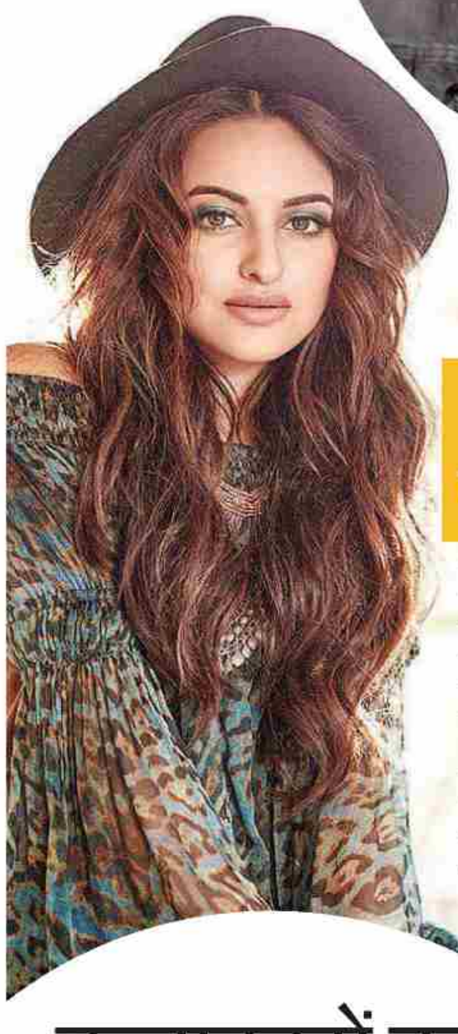

जल्द आएगा सोनाक्षी की दहाड़ का सीक्वल? दहाड़ के सीक्वल को लेकर बोलीं सोनाक्षी

सोनाक्षी सिन्हा की वेब सीरीज दहाड़ हाल ही में रिलीज हुई थी। इस सीरीज में सोनाक्षी के साथ गुलशन देवैया मुख्य किरदार में नजर आए थे। सोनाक्षी को अधिकारी अंजलि भाटी के किरदार में दर्शकों ने बहुत प्यार दिया है। सोनाक्षी का कहना है कि इतना प्यार तो उनको अपने किसी भी अन्य किरदार में नहीं मिला है। इस सीरीज में सोनाक्षी के अलावा विजय वर्मा, सोहम शाह और गुलशन देवैया ने भी दिल जीत लिया है। हाल ही में एक्ट्रेस ने इस सीरीज के सीक्वल पर बात की। क्राइम-थ्रिलर वेब सीरीज दहाड़ फैंस को बहुत पसंद आई है। इस सीरीज में विजय वर्मा के शातिर दिमाग और सोनाक्षी के जाबांज अंदाज ने फैंस का दिल लूट लिया है। एक इंटरव्यू के दौरान सोनाक्षी ने इसपर खुलकर बात की और कहा कि वह इसका सीक्वल बनाना पसंद करेंगी। सोनाक्षी ने कहा कि वह अपने किरदार में फिर आने का इंतजार नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा सवाल है जो क्रिएटर्स रीमा कागती और जोया अख्तर से पूछा जाना चाहिए। हालांकि, अगर सीक्वल बनता भी है, तो अंजलि भाटी की कमी खलेगी, क्योंकि शो के अंत में उसका किरदार अंजलि भाटी से अंजलि मेघवाल में बदल जाता है।

रकुल प्रीत सिंह की रोमांटिक थ्रिलर आई लव यू का ट्रेलर हुआ रिलीज

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह जल्द ही रोमांटिक थ्रिलर आई लव यू में पावेल गुलाटी के साथ नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का 16 जून को जियो सिनेमा पर डायरेक्ट-टू-डिजिटल प्रीमियर होगा। हाल ही में आई लव यू का ट्रेलर रिलीज किया गया है। इस फिल्म में अक्षय ओबेरॉय और किरण कुमार भी अहम किरदार में हैं। 1 मिनट 1 सेकंड का ट्रेलर काफी सस्पेंस और थ्रिलर से भरा हुआ है। ट्रेलर में रकुल प्रीत सिंह और पावेल गुलाटी की लव स्टोरी दिखाई गई है। लेकिन ये लव स्टोरी अचानक ऐसा टर्न लेती है जिसे देखने किसी को भी शॉक लग सकता है। रकुल प्रीत सिंह ने इस फिल्म के बारे में अपने विचारों को साझा करते हुए कहा कि 'आई लव यू' मेरी अब तक की किसी भी अन्य फिल्म से अलग है क्योंकि इसकी कहानी में ड्रामा, सस्पेंस और थ्रिलर के साथ-साथ प्यार, बदला और विश्वासघात का मिश्रण है। फिल्म के निर्देशक निखिल महाजन, जिन्हें उनकी 2022 की मराठी फिल्म गोदावरी के लिए कई पुरस्कार प्राप्त हुआ है और अब हिंदी फिल्म में अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, मैंने कुछ वास्तविक घटनाओं से प्रेरणा लेकर इसकी कहानी पर काम किया है और वर्तमान समय में रिश्तों के आधार पर फिल्म को रोमांटिक थ्रिलर का नाटकीय रूप प्रदान किया है। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत आई लव यू एक एथेना एंड द वर्मिलियन वर्ल्ड प्रोडक्शन द्वारा बनाई गई है, जिसे प्रफिल्म निमार्ता निखिल महाजन ने लिखा और निर्देशित किया है।

कलाकारों का सबसे ज्यादा शोषण होता है : जसलीन रॉयल

रांझा, नचदे ने सारे और दिन शगना दा जैसी चार्टबस्टर हिट देने वाली गायिका जसलीन रॉयल ने कहा है कि भारतीय संगीत कलाकारों के अनुकूल नहीं है। जसलीन ने ट्विटर पर साझा किया कि वह इस बात से परेशान हैं कि भारत में संगीत लेबल कैसे काम करते हैं। उन्होंने लिखा- भारत में संगीत लेबल कैसे काम करते हैं, इससे परेशान हैं! वे यह कहने का एक भी मौका नहीं छोड़ते हैं कि वे कलाकारों के कितने हमदर्द हैं, लेकिन वास्तव में देखा जाय तो वे सबसे ज्यादा शोषण करते हैं। उन्होंने सभी कलाकारों से फिल्मों को अपना काम देने से पहले राय लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, सभी कलाकार जो इसे पढ़ रहे हैं कृपया अपने गीतों को लेबल और फिल्मों को बेचने से पहले राय जरूर लें। हस्ताक्षर करने से पहले अपने अधिकारों और मूल्यों को जानें।

लंदन में गर्मी से लोग बेहाल, परेड के दौरान प्रिंस के सामने बेहोश हो गया सैनिक

लंदन । यूनाइटेड किंगडम की राजधानी प्रिंस विलियम के सामने वार्षिक ट्रूपिंग द कलर परेड के लिए अंतिम रिहर्सल के दौरान शनिवार को तीन सैनिक बेहोश गए । मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई । सैनिकों ने लगभग 30 डिग्री सेल्सियस लंदन की गर्मी में ऊनी अंगरखा और भालू की खाल की टोपी पहन रखी थी । लंदन में शनिवार को तापमान 30 डिग्री तक पहुंच गया था । प्रिंस विलियम ने एक ट्वीट में लिखा कि आज सुबह की गर्मी में कर्नल की समीक्षा में हिस्सा लेने वाले हर सैनिक को बहुत-बहुत धन्यवाद । मुश्किल हालात लेकिन आप सभी ने वास्तव में अच्छा काम किया । धन्यवाद । एक फॉलो-अप ट्वीट में प्रिंस ने लिखा कि इस तरह के आयोजन में जो मेहनत और तैयारी होती है, उसका श्रेय इसमें शामिल सभी लोगों को जाता है, खासकर आज की परिस्थितियों में । वीडियो में देखा जा सकती है कि एक सैनिक जो बेहोश हो गया था, परेड में हिस्सा लेने के लिए प्रयास में फिर से उठ गया, लेकिन कुछ ही समय बाद मेडिक्स उसकी मदद के लिए दौड़ते दिखे । यूके हेल्थ सिक्योरिटी एजेंसी ने दक्षिण इंग्लैंड के लिए गर्म मौसम की चेतावनी जारी की है ।

अब अमेरिका में भी रोशनी के त्यौहार दिवाली पर स्कूलों में रहेगी छुट्टी

-सीनेट और विधानसभा दोनों ने किया विधेयक पारित

न्यूयॉर्क । न्यूयॉर्क राज्य विधानमंडल ने दिवाली पर शहर के स्कूलों में छुट्टी घोषित करने के लिए एक विधेयक पारित किया है । सीनेट और विधानसभा दोनों ने शनिवार की सुबह अपना सत्र समाप्त करने से पहले विधेयक के लिए मतदान किया और अब इसे कानून बनाने के लिए गवर्नर कैथी होचुल के अपेक्षित हस्ताक्षर के लिए भेजा गया है । बिल पेश करते हुए विधानसभा सदस्य जेनिफर राजकुमार ने कहा कि दिवाली को स्कूल की छुट्टी कर दक्षिण एशियाई, इंडो-कैरेबियाई, हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध समुदायों की जीवंत सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करने का पुराना समय आ गया है । इन समुदायों के अनुमानित 2 लाख छात्र रोशनी के त्यौहार को अपने तरीके से स्कूल से मुक्त करने में सक्षम होंगे । जेनिफर ने कहा कि न्यूयॉर्क में राज्य कार्यालय के लिए चुनी गई पहली हिंदू-अमेरिकी और दक्षिण एशियाई-अमेरिकी महिला के रूप में मैं दिवाली मनाने वालों सहित नए अमेरिकी समुदायों की वकालत करने में विशेष गर्व महसूस करती हूं । 2021 और 2022 में कानून पारित करने के पहले के दो प्रयास सफल नहीं हुए । बिल के प्रायोजकों, जेनिफर राजकुमार और राज्य के सीनेटर जोसेफ अडाबो के बाद बिल ने अंतिम समय की बाधा को पार कर लिया, दीवाली को ब्रुकलिन-क्वींस डे की छुट्टी की जगह लेने और इसे शहर के विवेक पर छोड़ने का प्रस्ताव रखा । दिवाली इसके बजाय हर साल आवश्यक 180 दिनों की कक्षा को बनाए रखने के लिए एक अस्पष्ट अवकाश, वर्षगांठ दिवस की जगह ले सकता है । फरवरी में न्यूयॉर्क सिटी काउंसिल ने दीवाली को स्कूल की छुट्टी करने के लिए काउंसिलवुमेन लिंडा ली द्वारा प्रस्तावित एक प्रस्ताव पारित किया गया था, लेकिन इसके लिए राज्य स्तर की स्वीकृति की जरूरत थी । न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने अपने पूर्ववर्तियों और स्कूलों के चांसलर डेविड बैंक्स के विपरीत कानून का समर्थन किया है ।

पाकिस्तान में बारिश से 28 लोगों जान गई, बिपरजॉय चक्रवात का अलर्ट जारी

इस्लामाबाद । पाकिस्तान में आफत की बारिश आई, जो कई मौत के घाट पहुंचा दिया । पश्चिमोत्तर इलाके में शनिवार को हुई भारी बारिश के कारण कम से कम 28 लोगों की मौत हो गई और 145 अन्य घायल हो गए । अधिकारियों ने यह जानकारी दी । उन्होंने बताया कि बारिश के कारण कई मकान गिर गये । मीडिया के अनुसार खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू, लक्की मरवत और करक जिलों में बारिश और ओलावृष्टि हुई है, जिससे कई पेड़ उखड़ गये और बिजली के खंभे गिर गये । अहमद ने कहा कि अधिकारी घायलों को आपात राहत मुहैया कराने के लिए काम कर रहे हैं । पिछले महीने, गर्मियों में असामान्य हिमपात के दौरान हिमस्खलन से महिलाओं और बच्चों सहित लगभग एक दर्जन लोगों की मौत हो गई थी । पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने तूफान से हुई जनहानि पर शनिवार को दुख जताया और अधिकारियों को राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया । इस बीच, अरब सागर से आ रहे चक्रवात बिपरजॉय के मद्देनजर शरीफ ने अधिकारियों को आपातकालीन उपाय करने का आदेश भी जारी कर दिया है । पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने कहा है कि अरब सागर में बने चक्रवात बिपरजॉय के देश में दस्तक देने का अनुमान नहीं है, लेकिन सिंध और बलूचिस्तान में तटीय क्षेत्रों में अधिकारियों को सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहने की सलाह दी गई है । पाकिस्तान की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने कहा कि 150 किमी प्रति घंटे (93 मील प्रति घंटे) की रफ्तार वाला गंभीर और तीव्र चक्रवात देश के दक्षिण की ओर बढ़ रहा था. राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने मछुआरों को 13 जून तक समुद्र में नहीं जाने की भी सलाह दी है ।

ट्विटर की सीईओ लिंडा याकारिनो ने कहा, हम इतिहास रच रहे हैं

वाशिंगटन । ट्विटर की नई सीईओ लिंडा याकारिनो ने कहा कि किसी अन्य प्लेटफॉर्म में वह ताकत नहीं है, जो ट्विटर के पास है और वे इतिहास रचने जा रहे हैं । इस सप्ताह की शुरुआत में ट्विटर के सीईओ के रूप में एलन मस्क की जगह लेने वाले याकारिनो ने कहा कि पहला सप्ताह नशा करने वाला रहा है । उन्होंने ट्वीट में कहा, किसी अन्य मंच के पास यह शक्ति नहीं है और किसी अन्य जगह में वे लोग नहीं हैं, जिनसे मैं इस सप्ताह मिली हूं । बने रहें-हम इतिहास बना रहे हैं । याकारिनो ने कहा, ट्विटर का मिशन स्पष्ट है और सभी को आमंत्रित किया गया है, निर्माता, राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार, हर कोई बीच में है । याकारिनो ने लिखा, पहला हफ्ता काफी नशीला रहा है । ट्विटर जैसा कुछ भी नहीं है, इसके लोग, आप सब और मैं इन सबके लिए यहां हूं । याकारिनो उस समय ट्विटर से जुड़े जब अप्रैल में इसकी अमेरिकी विज्ञापन बिक्री में 59 प्रतिशत की गिरावट आई और मई का महीना भी उज्जवल नहीं दिख रहा था । 1 अप्रैल से मई के पहले सप्ताह तक पांच सप्ताह के लिए ट्विटर का अमेरिकी विज्ञापन राजस्व 88 मिलियन डॉलर था, जो एक साल पहले के मुकाबले 59 प्रतिशत कम था । रिपोर्ट में कहा गया है, आंतरिक पूवार्नुमानों में, कंपनी ने अनुमान लगाया है कि विज्ञापन बिक्री में गिरावट जारी रहेगी, इसके नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी को कड़ी चुनौती दी जाएगी । याकारिनो ने पिछले महीने कहा था कि वह ट्विटर 2.0 बनाने और मस्क और लाखों प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं के साथ मिलकर कारोबार को बदलने के लिए तैयार हैं ।

क्राइम फिल्में देखकर खून करने का मन बनाया और कर दी टीचर की हत्या

सिओल । क्राइम फिल्में देखकर कई लोग इस कदर डिप्रेस हो जाते हैं कि वे स्वयं भी क्राइम करने का मन बना लेते हैं । ऐसा ही एक मामला साउथ कोरिया का है जहां एक महिला ने सिर्फ यह जानने के लिए टीचर की हत्या कर दी कि वाकई हत्या करने के बाद उसे कैसा महसूस होता है । उस महिला ने सिर्फ इसलिए किसी की हत्या कर दी हो क्योंकि उसे ये जानना था कि हत्यारे लाश को छुपाते कैसे हैं और हत्या करके कैसा महसूस होता है । दरअसल, साउथ कोरिया की 23 साल की जंग यू-जंग नाम की महिला को क्राइम के बारे में टीवी शो और फिल्में देखने का बहुत शौक था । वह इससे जुड़ी किताबें भी पढ़ा करती थी । इन सब चीजों में उसे इतनी ज्यादा दिलचस्पी थी कि उसने हत्या के बाद के अनुभव को महसूस करने का फैसला किया । ज्यादा क्राइम फिल्में देखने के कारण, उसे भी खूनी बनने का मन कर गया ।उसने पूरा प्लान तैयार किया । ऑनलाइन ट्यूटर प्रोवाइड कराने वाले एक एप पर रेजिस्टर कर एक महिला टीचर को खोजा । उससे फोन पर कहा कि वो अपनी 9वीं कक्षा में पढ़ने वाली बेटी के लिए होम ट्यूटर ढूंढ रही है और इसके बाद वह खुद छात्रा बनकर टीचर के घर पहुंच गई ।

उसने ऑनलाइन एक स्कूल यूनिफॉर्म खरीद ली थी । उसका कद छोटा था, ऐसे में स्कूल यूनिफॉर्म पहनने के बाद वो 9वीं कक्षा की ही लग रही थी । वो महिला टीचर के घर पहुंची और बातों-बातों में उसके पेट में चाकू मार दिया । महिला इतने पर नहीं थमी । बल्कि उसने टीचर के शरीर के टुकड़े किए और सूटकेस में भर लिए । उसने लाश की बदबू रोकने के लिए दुकान से प्लास्टिक की थैलियां और ब्लीच खरीद लिया था । इसके अलावा महिला को लापता दिखाने के लिए, उसने उसका आईडी कार्ड, फोन आदि अपने पास ही रख लिया था ।

एमिसबरी ब्रिटेन में स्टोनहेंज का दौरा करते हुए लोग। ये स्टोनहेंज नियोलीथिक समय के है। इन्हें यूनेस्को के विश्व पुरात्विक स्थलों में भी जगह मिली है।

हिंसा के मामले में इमरान खान के खिलाफ कार्यवाही दो-तीन सप्ताह में शुरू होगी : पाकिस्तान के गृह मंत्री

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने कहा है कि भ्रष्टाचार के एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की नौ मई को हुई गिरफ्तारी के बाद भड़की हिंसा के लिए खान के खिलाफ दो-तीन सप्ताह के भीतर कानूनी कार्यवाही शुरू की जाएगी । पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के प्रमुख खान (70) ने हिंसा में अपनी संलिप्तता से इनकार करते हुए कहा कि जब हिंसक घटनाएं हुईं तो वह जेल में थे । सनाउल्लाह ने शनिवार रात 'जियो न्यूज' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि हिंसक विरोध प्रदर्शन के लिए खान ''100 प्रतिशत'' जिम्मेदार थे । गृह मंत्री ने कहा, ''पाकिस्तान में जो कुछ भी हुआ पाकिस्तानी राजनीति में नफरत, पाकिस्तान की राजनीति में अराजकता, पाकिस्तान में आर्थिक गिरावट और देश में अस्थिरता - केवल एक ही व्यक्ति इन सबका सूत्रधार है । उसका नाम इमरान खान है ।'' मंत्री ने आरोप लगाया कि खान ने युवाओं के मन में जहर घोल दिया और वह ''राजनीतिक विरोधियों की मौत'' से कम कुछ भी स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं ।

ब्रिक्स देशों में शामिल होना चाहता है बदहाल पाकिस्तान

-भारत-चीन भी इसके सदस्य, अमेरिका और पश्चिम देशों को टक्कर देने के लिए बना ये संगठन

वाशिंगटन (एजेंसी)। आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान ने ब्रिक्स देशों के संगठन में शामिल होने की इच्छा जताई है। पाकिस्तान की सरकार देश को बदहाली से निकालने की कोशिशों में जुटी है। इस बीच रिपोर्ट दावा किया गया है कि पाकिस्तान अगस्त में साउथ अफ्रीका में होने वाले ब्रिक्स समिट में संगठन में शामिल होने की मांग को आगे बढ़ा सकता है। भारत और चीन के अलावा रूस, ब्राजील और साऊथ अफ्रीका इस संगठन के सदस्य हैं।

पाकिस्तान के साथ-साथ सऊदी अरब, ईरान समेत 19 देशों ने ब्रिक्स का सदस्य बनने के लिए पेशकश की है। ब्रिक्स देशों ने भी संगठन को मजबूत करने के लिए और सदस्यों को जोड़ने की बात कही है। हालांकि, इसमें पाकिस्तान को जगह मिलना लगभग नामुमकिन है।

पाकिस्तान को शामिल किया तो भारत छोड़ देगा सदस्यता?

दुनिया के बड़े संस्थानों पर अमेरिका और पश्चिमी देशों के दबदबे के खिलाफ ब्रिक्स को 16 जून 2009 में बनाया गया था। उस दौरान इसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन शामिल थे। साउथ अफ्रीका दिसंबर 2010 में इसका सदस्य बना।

इस ग्रुप में ज्यादातर तेजी से विकास करने वाले देश हैं। ऐसे में पाकिस्तान के इसमें जुड़ने से संगठन की विश्वसनीयता घट जाएगी। न्यूज वेबसाइट फर्स्ट पोस्ट के मुताबिक भारत को संगठन में पाकिस्तान का शामिल होना पसंद नहीं होगा और वो एक्टिव मेंबर के तौर पर काम करना बंद कर देगा। भारत लगातार पाकिस्तान पर आतंक फैलाने के आरोप लगाता रहा है। 2016 के ब्रिक्स सम्मेलन में तो पीएम मोदी ने पाकिस्तान को आतंक की मां तक कह दिया। वहीं, अगर भारत ब्रिक्स से अलग होता है तो संगठन कमजोर पड़ जाएगा।

पाकिस्तान के ब्रिक्स में शामिल न हो पाने की 3 वजहें...

1) फाइनेंस सबसे बड़ी वजह है। ब्रिक्ससीधे तौर पर दुनिया का सबसे संपन्न माने जाने वाले आर्थिक संगठन जी7 को टक्कर देता है। जीडीपी पर क्रय शक्ति के मामले में चीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, भारत तीसरी, रूस छठी और ब्राजील आठवीं है। सारे ब्रिक्स देशों की दुनिया की जीडीपी में 31.5 प्र. की हिस्सेदारी है। ऐसे में पाकिस्तान को इसमें शामिल करने से संगठन आर्थिक रूप से कमजोर होगा।

2) पाकिस्तान के ब्रिक्स में शामिल होने से संगठन की हालत सार्क जैसे न हो जाए। दरअसल, सार्क संगठन साउथ एशियाई देशों में तालमेल बैठाने के लिए बनाया गया था। भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भूटान, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका इसके सदस्य देश हैं। हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच सख्त मतभेदों की वजह से संगठन ठीक से काम नहीं कर पाता है। जिससे उसकी अहमियत पर सवाल खड़े होते हैं।

3) तीसरी और आखिरी वजह पाकिस्तान की विदेश नीति है। जो कंक्रीट नहीं है। बिजनेस स्टैंडर्ड के मुताबिक पाकिस्तान इस्लाम के मान पर पार्टनर ढूंढता है। फिर उनसे मदद मांगता है। कई एक्सपर्ट्स पाकिस्तान को कर्ज जीवी यानी कर्ज के सहारे जीने वाले। ऐसे में उसे ब्रिक्स देशों में जगह नहीं मिल सकती है।

अमेरिका का दावा, चीन चार साल से क्यूबा में चला रहा जासूसी अड्डा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के शीर्ष अधिकारी ने दावा किया है कि चीन पिछले चार सालों से क्यूबा में अपना जासूसी अड्डा चला रहा है। जानकारी के अनुसार चीन कम से कम 2019 से क्यूबा में एक जासूसी अड्डे का संचालन कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के एक शीर्ष अधिकारी ने यह दावा करते हुए कहा कि चीन खुफिया सूचनाएं जुटाने की अपनी क्षमताएं बढ़ाने के वैश्विक प्रयासों के तहत क्यूबा में एक जासूसी अड्डे का संचालन कर रहा है। अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि अमेरिका की खुफिया एजेंसियां चीन के पिछले कुछ वर्षों से क्यूबा से जासूसी करने और वैश्विक स्तर पर बड़े पैमाने पर गोपनीय जानकारियां जुटाने के प्रयास में शामिल होने की बात से वाकिफ हैं। अधिकारी के मुताबिक, बाइडन प्रशासन ने अपने जासूसी अभियान को विस्तार देने की चीन की कोशिशों को नाकाम करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि बाइडन प्रशासन को लगता है कि वह कूटनीति और अन्य अनिर्दिष्ट कार्रवाइयों के माध्यम से इस दिशा में थोड़ी प्रगति करने में कामयाब रहा है। अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन के जनवरी 2021 में पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद खुफिया एजेंसियों ने उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम को सूचित किया था कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) वैश्विक स्तर पर अपना प्रभाव बढ़ाने के प्रयासों के तहत दुनियाभर में रसद, बुनियादी ढांचा और खुफिया जानकारियां एकत्रित करने की अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रही है।

शीर्ष अधिकारी के अनुसार, पीएलए ने इस बाबत अटलांटिक महासागर, लातिन अमेरिका, खाड़ी क्षेत्र, मध्य एशिया, अफ्रीका और हिंद प्रशांत क्षेत्र में कई जगहों की पहचान की है। इससे पहले, 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' अखबार ने बृहस्पतिवार को प्रकाशित खबर में क्यूबा में चीन के इलेक्ट्रॉनिक जासूसी अड्डे की स्थापना के लिए दोनों देशों के बीच एक समझौता होने का दावा किया था। अखबार के मुताबिक, जासूसी अड्डे की स्थापना के बदले चीन आर्थिक संकट से जूझ रहे क्यूबा को अरबों डॉलर का भुगतान करने पर सहमत हुआ था। हालांकि, व्हाइट हाउस और क्यूबा के अधिकारियों ने इस खबर को गलत बताया था।

ज्वालामुखी में चारों तरफ धुआं और आग की बौछारें

-अमेरिका की हवाईयन ज्वालामुखी वेधशाला ने दी जानकारी

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। सुबह-सुबह किलाउआ के शिखर से वेबकैम तस्वीरों में एक चमक का पता चला था। जो दर्शाता है कि शिखर काल्डेरा में हलेमाउमाउ क्रेटर के भीतर एक विस्फोट हो रहा था। यह कहना है अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की हवाईयन ज्वालामुखी वेधशाला का। ऑब्जर्वेटरी ने कहा कि तस्वीरें क्रेटर के फर्श की सतह पर लावा प्रवाह पैदा करने वाले क्रेटर के आधार पर बहती हुई दिख रही हैं। वेधशाला ने कहा कि भूकंप की गतिविधि में वृद्धि हुई थी। शिखर पर जमीन के विरूपण के पैटर्न में परिवर्तन मंगलवार रात शुरू हुआ, जो उपसतह में मैग्मा की गति को दर्शाता है।

वेधशाला के एक भूविज्ञानी माइक ज़ोलेर ने कहा, हम अभी रिफ्ट ज़ोन पर गतिविधि के कोई संकेत नहीं देख रहे हैं। इससे दरार विस्फोट में संक्रमण की उम्मीद करने का कोई कारण नहीं है जो द्वीप पर किसी भी समुदाय को लावा प्रवाह या उसके जैसा कुछ भी नुकसान पहुंचाएगा। सभी गतिविधि हवाई ज्वालामुखी राष्ट्रीय उद्यान के एक बंद क्षेत्र के भीतर थी। पार्क के प्रवक्ता जेसिका फेरकेन ने कहा, लावा आज सुबह पूरी तरह से शिखर काल्डेरा के भीतर ही सीमित है। किसी भी घर या बुनियादी ढांचे को खतरे में डाले बिना अभी भी अधिक लावा प्रवाह के लिए बहुत जगह है। तो इस तरह हम यहां विस्फोटों को पसंद करते हैं। दिसंबर में लगभग दो सप्ताह के लिए, हवाई का सबसे बड़ा ज्वालामुखी मौना लोआ भी हवाई के बड़े द्वीप पर फूट रहा था। थोड़े समय के ठहराव के बाद जनवरी में किलाउआ में फिर से विस्फोट होना शुरू हो गया।

खराब मौसम के चलते इंडिगो एयरलाइन की उड़ान मार्ग भटक कर पाकिस्तान में प्रवेश कर गई: रिपोर्ट

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। अमृतसर से अहमदाबाद जा रही इंडिगो एयरलाइन की एक उड़ान खराब मौसम के कारण मार्ग भटककर पाकिस्तान में लाहौर के निकट चली गई और सुरक्षित रूप से भारतीय हवाई क्षेत्र की ओर लौटने से पहले गुजरांवाला तक पहुंच गई थी। रविवार को मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। 'डॉन' अखबार की खबर में कहा गया है कि फ्लाइट रडार के अनुसार, 454 नॉट की गति से उड़ रहा भारतीय विमान ने शनिवार शाम करीब साढ़े सात बजे उत्तरी लाहौर में प्रवेश किया और रात आठ बजकर एक मिनट पर भारत लौट आया। एयरलाइन की इस बारे में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं आई है।

खबर के अनुसार, नागर विमानन प्राधिकरण (सीएए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह असामान्य नहीं है क्योंकि मौसम खराब होने की स्थिति में ''अंतरराष्ट्रीय रूप से इसकी इजाजत'' होती है। उल्लेखनीय है कि मई में, पाकिस्तान में भारी बारिश होने के कारण पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन (पीआईए) का एक विमान भारतीय हवाई क्षेत्र में प्रवेश कर गया था और करीब 10 मिनट तक वह रहा था। विमान पीके248 चार मई को मस्कट से लौट रहा था और उसे लाहौर में अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर उतरना था। हालांकि, भारी बारिश के कारण बोइंग 777 विमान के पायलट के लिए ऐसा करना मुश्किल हो रहा था। इस बीच, पाकिस्तान में हवाई अड्डों पर खराब दृश्यता के कारण उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया है, या उनमें देरी हुई है।

सीएए के प्रवक्ता ने कहा कि अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दृश्यता 5,000 मीटर रहने के कारण लाहौर के लिए मौसम की चेतावनी की अवधि शनिवार रात साढ़े 11 बजे तक बढ़ा दी गई है। खराब दृश्यता के कारण लाहौर जाने वाली कई उड़ानों को इस्लामाबाद भेज दिया गया। पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में शनिवार शाम तेज हवाओं और गरज के साथबारिश हुई। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर के मुताबिक, सर्वाधिक प्रभावित इलाके खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के तीन निकटवर्ती जिले थे, जहां लगभग 29 लोगों की जान चली गई।

टेक्सास बना लिटिल इंडिया: 10 साल में दोगुने हुए भारतवंशी, ये सबसे ज्यादा शिक्षित, 20प्र. बिजनेस भी इन्हीं के हाथ में

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका का दक्षिणी राज्य टेक्सास नया लिटिल इंडिया बनकर उभर रहा है। अमेरिका के उत्तर और पूर्वी राज्यों जैसे न्यूयॉर्क, वॉशिंगटन, बोस्टन और शिकागो से भारतीयों ने टेक्सास में संभावनाओं को तलाशना शुरू किया। महज 10 साल में ही भारतीयों की आबादी यहां दोगुनी हो गई। 2010 में यहां पर 2.30 लाख भारतीय थे, जो कि 2020 में बढ़कर लगभग 4.50 लाख हो गए हैं।

दबदबे का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि टेक्सास के कुल बिजनेस के 20त्न हिस्से पर भारतवंशी काबिज हो गए हैं। टेक्सास में टेक्नोलॉजी, स्कूल, फाइनेंस, संस्कृति और यहां तक कि राजनीति में भी भारतीयों का दबदबा बढ़ा है।

टेक्सास में रहने वाले भारतीयों में लगभग सभी के पास कॉलेज एजुकेशन है। आधे से ज्यादा के पास प्रोफेशनल डिग्री है। टेक्सास के चार शहर कॉलिन, डेनटन, डलास और टैरेंट में तो भारतीयों का वहां के बिजनेस में 25 फीसदी तक हिस्सा है।

राजनीति में भी अहम भूमिका

कभी ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी का गढ़ माने जाना वाला टेक्सास राज्य में अब डेमोक्रटिक पार्टी मजबूत हो रही है। इसका बड़ा कारण यहां भारतीयों की आबादी का बढ़ना है। ह्यूस्टन में डेमोक्रेटिक प्रेस्टन कुलकर्णी पकड़ मजबूत कर रहे हैं। अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में टेक्सास की अहम भूमिका रहने वाली है।

यहां के 40 इलेक्टोरल वोटों में अभी रिपब्लिकन और डेमोक्रेट का वोट शेयर 50-49 है। टेक्सास के महेंद्र जुनेजा का कहना है कि आने वाले समय में भारतवंशी यहां के हर क्षेत्र में अपनी उपस्थति को और मजबूत करेंगे।

सबसे ज्यादा कमाई करने वाले प्रवासी भी भारतीय

इंस्टीट्यूट फॉर अर्बन पॉलिसी के अनुसार टेक्सास में प्रवासियों में सर्वाधिक भारतवंशियों की औसत कमाई साढ़े 48 लाख रु. है। 41त्न भारतीयों की औसत कमाई 1 करोड़ 22 लाख रुपए है। ग्रीन कार्डधारी भारतीयों की चौथी बड़ी आबादी टेक्सास के डलास फोर्थ में है।

टेक्सास में आधे से ज्यादा भारतीय 3 सेक्टर में हैं- कंप्यूटर साइंस- स्टेम, मैनेजमेंट और हेल्थकेयर। शेष टेक्नोलॉजी सेक्टर में हैं।

अनुमान है कि 2 साल में बिजनेस के 30प्र. हिस्से पर भारतीय काबिज हो सकते हैं।

भारतीय टीम का आईसीसी खिताब जीतने का सपना फिर टूटा, ऑस्ट्रेलिया बनी डब्ल्यूटीसी विजेता

लंदन। (एजेंसी)। भारतीय टीम का आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल जीतने का सपना फिर टूट गया है। द ओवल मैदान पर ऑस्ट्रेलिया ने इस महामुकाबले में भारतीय टीम को 209 रन से हराकर ट्रॉफी पर अपना कब्जा कर लिया। इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 444 रन का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए भारतीय टीम अपनी दूसरी पारी में 234 रनों पर ही सिमट गयी। यह दूसरी बार है जब भारतीय टीम खिताबी मुकाबले में हारी है। इससे पहले साल 2021 में उसे न्यूजीलैंड ने फाइनल में हराया था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस मैच में भारतीय टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में टिक नहीं पायी। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने चौथे दिन अपनी दूसरी पारी 8 विकेट पर 270 रनों पर घोषित कर दी। इसके बाद भारतीय टीम ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी दूसरी पारी में 3 विकेट पर 164 रन बना लिए थे। चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय अजिंक्य रहाणे 20 और विराट कोहली 44 रनों पर खेल रहे थे। वहीं कप्तान रोहित शर्मा 43 रन, शुभमन गिल 18 और चेतेश्वर पुजारा 27 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। शुभमन के कैच पर विवाद उठा पर अंत में अंपायर ने उन्हें आउट दिया। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस, नाथन लियोन और स्कॉट बोलैंड ने 1-1 विकेट लिए। अंतिम दिन भारतीय टीम को जीत के लिए से 280 रन चाहिये थे जबकि उसके पास सात विके थे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने अपनी पहली पारी में 469 रन बनाये थे जबकि भारतीय टीम ने 296 रन बनाये थे। इस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहली पारी के आधार पर 173 रनों की बढ़त मिली हुई थी। इसका भी उसे लाभ मिला जिससे उसने भारतीय टीम पर दबाव बना दिया।

भारतीय बल्लेबाज टेस्ट मुकाबले के अंतिम दिन आधे दिन भी मैच में नहीं टिक सके जबकि भारतीय टीम को केवल 280 रनों की जरुरत थी और भारतीय टीम के पास सात विकेट थे। मगर भारतीय बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। पांचवे दिन का खेल शुरू होने पर भारतीय टीम के लिए क्रीज पर विराट और रहाणे मौजूद थे। दोनों से उम्मीद थी की लंबे समय तक ये क्रीज पर रहे मगर ऐसा हो नहीं सका। विराट अपना अर्धशतक पूरा करने से एक रन पहले ही आउट हो गए। 47वें ओवर की तीसरी गेंद पर बोलैंड ने उन्हें शिकार बनाया। कोहली ने 78 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 49 रन बनाए। विराट और रहाणे के बीच चौथे विकेट के लिए 86 रनों की साझेदारी हुई। कोहली के बाद अनुभवी ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने भी निराश किया वह भी दो गेंद खेलकर बिना खाता खोले ही वो पवेलियन लौटे। वो एलेक्स कैरी के हाथों कैच थमा बैठे। इसी के साथ भारत की आधी टीम पवेलियन लौट गई और स्थिति काफी खराब हुई। इसके बाद रहाणे मौजूद थे उन्होंने केएस भरत के साथ मिलकर पारी संभालने का प्रयास किया पर वह भी 108 गेंदों में 46 रनों का स्कोर बनाकर आउट हुए। इसके बाद भारतीय टीम अपने आप को संभाल नहीं सकी और एक के बाद एक बल्लेबाज पेवेलियन लौटते गये।

आईसीसी के सभी टूर्नामेंट जीतने वाली पहली टीम बनी ऑस्ट्रेलिया

इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया पहली टीम बन गई है जिसके पास आईसीसी के सभी टूर्नामेंट जीतकर ट्रॉफी कब्जे में करने की उपलब्धि है। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने इतिहास रच दिया है। ऑस्ट्रेलिया की टीम पहली टीम है जिसने आसीसी वनडे वर्ल्ड कप, टी20 वर्ल्ड कप, चैंपियंस ट्रॉफी और अब विश्व टेस्ट चैंपियनशिप ट्रॉफी भी जीत ली है।

भारतीय टीम का आईसीसी ट्रॉफी का इंतजार और बढ़ा

वहीं भारतीय टीम 10 वर्षों से आईसीसी की किसी ट्रॉफी पर कब्जा नहीं कर सकी है। वहीं इस हार के साथ भारत का सूखा और अधिक समय के लिए बढ़ गया है।

भारत की हार के ये कारण रहे

बल्लेबाज नाकाम रहे : भारतीय बल्लेबाजों में केवल अजिंक्य रहाणे ही ऑस्ट्रेलिया का सामना कर पाये जबकि अन्य विफल् रहे। रहाणे ने पहली पारी में 89 तो दूसरी पारी में 46 रन बनाए। इनके अलावा कोई भी अन्य भारतीय बल्लेबाज अर्धशतक तक नहीं पहुंच पाया।

वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से केवल दो बल्लेबाज ही भारतीय टीम पर भारी पड़ गये। उसने पहली पारी में 469 रन बनाए, जिसमें स्मिथ के 121 जबकि ट्रेविस हेड के 163 रन शामिल रहे। इन दोनों ने मिलकर ही पहली पारी में 284 रन बना दिए। इनपर अंकुल लगाने में भारतीय गेंदबाजों की विफलता भी हार का एक कारण रही।

इसके अलावा भारत की हार का एक कारण ईशान किशन और आर अश्विन को बाहर रखना भी है। विकेटकीपर के रूप में टीम श्रीकर भरत ने अच्छा प्रदर्शन किया पर वह अधिक रन नहीं बना पाये। वहीं ईशान में तेजी से रन बनाने की क्षमा है। वहीं ऑफ स्पिनर अश्विन बाएं हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ प्रभावी रहते पर उन्हें भी टीमें जगह नहीं मिली।

स्वियातेक ने लगातार दूसरी बार फ्रेंच ओपन जीता

-फाइनल में मुकोवा को हराया

पेरिस(एजेंसी)। पोलैंड की इगा स्वियातेक ने लगातार दूसरी बार फ्रेंच ओपन टेनिस का महिला एकल खिताब जीता है। स्वियातेक ने फाइनल में चेक गणराज्य की कैरोलीना मुकोवा को 6-2, 5-7, 6-4 से हराया। ये मुकाबला करीब 45 मिनट तक चला। इसमें पहला सेट हारने के बाद मुकोवा ने दूसरे सेट में अच्छी वापसी की पर स्वियातेक ने तीसरा सेट जीतकर खिताब पर कब्जा कर दिया। इस जीत के साथ ही स्वियातेक विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बनी हुई हैं। यह पोलिस खिलाडी के करियर का तीसरा रोलां गैरो और कुल चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। इस खिलाड़ी ने पिछले साल अमेरिकी ओपन भी जीता था। इसी के साथ ही अब 22 साल की उम्र में स्वियातेक चार ग्रैंड स्लैम जीतने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गई हैं।

स्वियातेक ने जीत के बाद कहा, सबसे पहले कैरोलीना को शुभकामनाएं। मैं जानती थी कि यह मुश्किल मैच होने वाला है। मैं उम्मीद करती हूं कि हम एक दूसरे के खिलाफ और फाइनल खेलेंगे। आपकी टीम को भी शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, मैं अपनी टीम को बधाई देती हूं क्योंकि भले ही यह अकेले खिलाड़ी का खेल है, लेकिन टीम के बिना कुछ संभव नहीं हो सकता। आपके बिना मैं यहां नहीं पहुंच सकती थी। मेरे परिवार को शुभकामनाएं।

वहीं दूसरी ओर, गैर वरीयता प्राप्त मुकोवा के लिये भी यह एक यादगार अभियान रहा। यह किसी ग्रैंड स्लैम आयोजन में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2021 के सेमीफाइनल तक सफर किया था। मुकोवा ने कहा, मैं और मेरी टीम तीन सप्ताह से पेरिस में है। यह शानदार अनुभव रहा है। यह बहुत करीबी मुकाबला था लेकिन जब आप दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के खिलाफ खेलते हैं तो ऐसा होता है।

एफआईएच हॉकी प्रो लीग में नीदरलैंड से हारी भारतीय टीम

आइंडहोवन । नीदरलैंड के साथ यहां हुए एफआईएच पुरुष हॉकी प्रो लीग के एक रोमांचक मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को हार का सामना करना पड़ा है। भारतीय टीम ने इस रोमांचक मैच में पूरा जोर लगाया पर इसके बाद भी उसे नीदरलैंड के हाथों 2-3 से हार झेलनी पड़ी। इस मैच में नीदरलैंड की ओर से डुको तेलजेनकैंप ने सातवें सातवां मिनट, बोरिस बुकर्हार्ट ने 41 वें मिनट, त्जेप होडमेकर्स ने 43 वें मिनट में गोल किए। वहीं भारत की ओर से जबकि संजय ने 18 वें और गुरजंत सिंह ने 46 वें मिनट में गोल किये। नीदरलैंड ने इसी के साथ ही भारतीय टीम की खिलाफ लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। इससे पहले नीदरलैंड दौरे के पहले मैच में भी भारतीय टीम को 4-1 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद भी हालांकि भारतीय टीम प्रो लीग तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है।

भारतीय टीम ने पहली बार जूनियर महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट जीता

काकामिगहारा(एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने पहली बार जूनियर महिला एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट जीता है। भारतीय टीम ने दक्षिण कोरियाई टीम को फाइनल में 2-1 से हराकर यह अहम उपलब्धि अपने नाम की है। भारतीय टीम की इस जीत में अन्नू और नीलम की अहम भूमिका रही। अन्नू ने 22वें मिनट और नीलम ने 41 वें मिनट में ये गोल किये। वहीं दक्षिण कोरिया की की ओर से एकमात्र गोल सियोओन पाकर ने 25 वें मिनट में किया। एक दशक के बाद पहली बार फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय लड़कियों ने इस मैच में

आक्रामक रुख अपनाया। पहले क्वार्टर में दोनो ही टीमें गोल नहीं कर पायीं। वहीं कोरिया को दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही दो पेनाल्टी कार्नर मिले पर वह गोल नहीं कर पायी। भारत की ओर से 21वें मिनट में अन्नू ने पेनल्टी स्ट्रोक से गोल कर भारतीय टीम को 1-0 से आगे कर दिया। इसके बाद कोरियाई टीम ने बराबरी के प्रयास शुरु कर दिये। मैच के 25वें मिनट में सियोओन ने एक ने गोल कर कोरियाई टीम को बराबरी पर ला दिया। तीसरे क्वार्टर में नीलम ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करने के साथ ही भारतीय टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद भी भारतीय टीम को गोल करने के अवसर मिले पर वह सफल नहीं हो पायी।

डी विलियर्स के ट्वीट पर भड़के भारतीय प्रशंसक

लंदन । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डी विलियर्स के विश्व टेस्ट चैम्पयनशिप (डब्लूयटीसी) फाइनल को लेकर किये एक ट्वीट पर भारतीय प्रशंसकों ने नाराजगी जतायी है। प्रशंसकों ने कहा कि विलियर्स इस मामले में अपनी सलाह अपने पास ही रखें। डी विलियर्स के ट्वीट पर प्रशंसक इसलिए नाराज हुए क्योंकि अधिकांश समय परिणाम उनकी सलाह के विपरीत आया है। प्रशंसकों के अनुसार डी विलियर्स के ट्वीट भारतीय टीम और विराट कोहली के लिए शुभ साबित नहीं हुए हैं। इससे पहले टी20 विश्व कप, एशिया कप और आईपीएल के अलावा कई अहम अवसरों पर डी विलियर्स ने भारत और विराट के पक्ष में ट्वीट किए थे पर अधिकतर उनके ट्वीट गलत निकले। इसी कारण प्रशंसकों ने उन्हें इस बार शांत रहने को कहा है। डिविलियर्स ने लिखा अगर 5वें दिन भारतीय बल्लेबाज स्पिनर नाथन लायन को खेल लेते है और दूसरी नई गेंद आने तक टीम एक ही विकेट गंवाती है तो नहीं कह सकते कि क्या हो सकता है।

सबसे अधिक छक्के लगाने में सचिन से आगे निकले रोहित

लंदन । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में 444 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में विफल रहे हैं। रोहित ने केवल 43 रन ही बनाये, वहीं पहली पारी में भी वह 15 रनों पर ही आउट हो गये थे। रोहित ने अपनी 43 रन रनों की पारी में चार चौके व एक छक्का लगाया। रोहित ने दूसरी पारी के दौरान एक छक्का लगाने के साथ ही महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के टेस्ट में सबसे अधिक छक्के लगाने के रिकार्ड को तोड़ दिया है। रोहित का यह 50वां टेस्ट मैच था। उन्होंने अभी तक 70 छक्के लगाये हैं। इसी के साथ उन्होंने सचिन को पीछे छोड़ दिया है। सचिन अब सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में चौथे स्थान पर आ गये हैं, उनके नाम 69 छक्के हैं। वहीं इस मामले में पहले नंबर पर वीरेंद्र सहवाग हैं। सहवाग के नाम पर कुल 90 छक्के हैं जबकि दूसरे नंबर महेन्द्र सिंह धोनी के 78 छक्के हैं। टेस्ट में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक 90 छक्के का रिकार्ड वीरेंद्र सहवाग के नाम है। वहीं 78 छक्के लगाकर धोनी दूसरे जबकि 70 छक्के लगाकर रोहित अब तीसरे नंबर पर आ गये है। 69 छक्के के साथ ही सचिन तेंदुलकर चौथे नंबर पर हैं। इसके अलावा रोहित ने अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के तौर पर 13 हजार रन भी पूरे किये हैं। मैच में अपना 27 वां रन बनाने के साथ ही उन्होंने ये रिकार्ड भी बना लिया।

बजरंग और साक्षी बोले, 15 जून तक बृजभूषण की गिरफ्तारी नहीं हुई तो फिर करेंगे विरोध प्रदर्शन

-शिकायतकर्ताओं पर बयान बदलने के लिए बढ़ता जा रहा दबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक ने कहा है कि अगर भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की 15 जून तक गिरफ्तारी नहीं होती है तो वे फिर से जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। साथ ही आरोप लगाया कि नाबालिग पहलवान के पिता पर दबाव डाला गया था और इसी कारण उसने अपना बयान बदला है। इससे पहले केन्द्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से मुलाकात के बाद इस सप्ताह की शुरुआत में ही पहलवानों ने अपने विरोध प्रदर्शन को 15 जून तक के लिए निलंबित कर दिया था। मुलाकात के दौरान खेलमंत्री ने पहलवानों को आश्वासन दिया था कि पुलिस 15 जून तक बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों में चार्जशीट दायर करेगी।

अब बजरंग ने कहा कि अगर सरकार 15 जून तक बृजभूषण को गिरफ्तार करने में असफल रहती है, तो हम 17 जून से अपना विरोध फिर से शुरू करेंगे। यह विरोध जंतर मंतर से ही शुरू होगा। बजरंग ने कहा कि शिकायतकर्ताओं पर बयान बदलने का भारी दबाव है। ऐसे में बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी के बाद ही पहलवानों को न्याय मिल पायेगा क्योंकि बाहर रहते हुए वह जांच को प्रभावित कर रहा था। बजरंग ने कहा कि उसे सलाखों के पीछे पहुंचाने के लिए एक मजबूत चार्जशीट की जरूरत है। साथ ही कहा कि शिकायतकर्ताओं को धमकी भरे फोन आ रहे हैं। वे डरे हुए हैं और सदमे में हैं।

पहलवान ने कहा कि अगर बृजभूषण को पुलिस ने तत्काल गिरफ्तार नहीं किया, तो जिस प्रकार नाबालिग पहलवान ने अपना बयान बदला उसी प्रकार 6 अन्य शिकायतकर्ताओं पर भी अपना बयान बदलने के लिए दबाव बढ़ जाएगा। बजरंग ने कहा कि नाबालिग लड़की के पिता ने पहले ही कहा था कि वे दबाव में थे। इसलिए मुझे डर है कि अन्य छह महिला पहलवानों के साथ भी ऐसा ही होगा।

वहीं साक्षी ने कहा कि हम आगामी एशियाई खेलों में तभी भाग लेंगे जब बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की पूरी जांच पूरी हो जाएगी। साक्षी ने कहा कि आप नहीं समझ सकते कि पहलवानों के लिए यह मानसिक रूप से कितना थका देने वाला हो गया है। हम हर रोज किस स्थिति से गुजर रहे हैं।

मैनचेस्टर सिटी ने पहली बार चैंपियन्स लीग फुटबॉल खिताब जीता

-मिलान को 1-0 से हराया

इस्तांबुल । मैनचेस्टर सिटी ने यहां इंटर मिलान को 1-0 से हराकर पहली बार चैंपियन्स लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। सिटी की इस जीत में स्पेन के रोड्री की अहम भूमिका रही। रोड्री ने ही मैच का एकमात्र विजयी गोल 68वें मिनट में किया। इसी के साथ ही सिटी को पहली बार यूरोपीय क्लब फुटबॉल का शीर्ष खिताब मिला है। टीम के मैनेजर पेप गुआर्डियोला ने टीम की खिताबी जीत के बाद कहा, 'यह किस्मत में लिखा था। यह हमारा है। टीम को चैंपियन्स लीग का खिताब जीतने में लंबा समय लगा है। गुआर्डियोला की टीम के लिए यह अंतिम मोर्चा था। टीम ने मौजूदा सत्र में प्रीमियर लीग और एफए कप के खिताब जीतने के बाद से ही अपना तीसरा खिताब जीता है। इस खिताबी जीत से गुआर्डियोला का सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ कोच होने का दावा भी पक्का हुआ है। यह उनका तीसरा चैंपियन्स लीग खिताब और कुल 30वां बड़ा खिताब है। गुआर्डियोला ने दूसरी बार सत्र में खिताबी हैट्रिक पूरी की है। इससे पहले साल 2009 में वह बार्सीलोना के साथ जीते हैं। सिटी इंग्लैंड का दूसरा क्लब है जिसने एक ही सत्र में तीन बड़े खिताब जीते हैं। मैनचेस्टर यूनाईटेड ने इससे पहले 2009 में यह कारनामा किया था। वहीं इंटर मिलान को मुकाबले में एक अच्छा अवसर मिला था पर स्थानापन्न खिलाड़ी रोमेलु लुकालु 89वें मिनट में गोल नहीं दाग पाये। वहीं इंटर के कोच साइमन इंजागी ने कहा, 'हम हारने के हकदार नहीं थे। हम शीर्ष टीम के खिलाफ शानदार तरीके से खेले।

मेरी गेंदबाजी में आक्रामकता बहुत जरुरी, इससे ही सफलता मिलती : सिराज

लंदन (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का मानना है कि आक्रामक रवैये से उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद मिलती है। सिराज ने कहा कि इस आक्रामक रवैया के कारण ही उन्हें ये सफलता मिली है। 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में पदार्पण करने के बाद सिराज खेल के लंबे प्रारूप में भारत के शीर्ष गेंदबाज रहे है। तेज गेंदबाज ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में टीम के सबसे बेहतर गेंदबाज रहे है। उन्होंने पहली पारी में चार विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में डेविड वार्नर को आउट किया।

सिराज ने कहा, मेरी गेंदबाजी में आक्रामकता बहुत जरुरी है। टेस्ट क्रिकेट आक्रामकता पर आधारित है। यह केवल साधारण गेंद फेंकने और बिना प्रभाव छोड़े बिना जाने के बारे में नहीं है। उन्होंने कहा, जब मैं आक्रामकता के साथ गेंदबाजी करता हूं, तब मैं अपने शरीर को व्यस्त रखता हूं। कुछ गेंदबाज आक्रामक रवैया अपनाने के बाद सही गेंदबाजी नहीं कर पाते है लेकिन इसके विपरीत मेरी गेंदबाजी सटीक होती है। तेज गेंदबाज ने कहा, जितनी अधिक आक्रामकता का इस्तेमाल मैं अपने खेल में करता हूं, मुझे उतनी अधिक सफलता मिलती है। मुझे आक्रामकता के साथ खेलने में बहुत मजा आता है।

अश्मिता, रवि ने मालदीव अंतरराष्ट्रीय चैलेंज का खिताब जीता

नयी दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों अश्मिता चालिहा और रवि ने माले में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते हुए मालदीव अंतरराष्ट्रीय चैलेंज में क्रमशः महिला और पुरुष एकल के खिताब जीते। तीसरी वरीय अश्मिता ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शनिवार को ऑल इंडियन महिला एकल फाइनल में हमवतन तस्नीम मीर को 19-21, 21-17, 21-11 से हराया। असम की खिलाड़ी का यह तीसरा बीडब्ल्यूएफ अंतरराष्ट्रीय चैलेंज खिताब है। उन्होंने इससे पहले टाटा ओपन इंडिया इंटरनेशनल और दुबई इंटरनेशनल का भी खिताब जीता है। पुरुष एकल में गैरवरीय रवि ने मलेशिया के सातवें वरीय सूंग जू वेन को सीधे गेम में 21-19, 21-18 से हराकर खिताब अपने नाम किया। अश्विनी भट और शिखा गौतम की शीर्ष वरीय भारतीय महिला युगल जोड़ी को हालांकि लक्षिका कनलाहा और फटाइमास मुएनवोंग की थाईलैंड की जोड़ी के खिलाफ 22-24,15-21 की हार से उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा।

एशिया कप 2023 के लिए एसीसी कर सकती है पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के 'हाइब्रिड मॉडल' को स्वीकार

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह की अगुआई वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के भारत की गैरमौजूदगी वाले चार एशिया कप मुकाबलों का आयोजन पाकिस्तान जबकि बाकी मुकाबलों का आयोजन श्रीलंका के गॉल और पाल्लेकल में कराने के पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के 'हाइब्रिड मॉडल' को स्वीकृति देने की संभावना है।

एसीसी के इस संबंध में मंगलवार को औपचारिक घोषणा करने की उम्मीद है और हाइब्रिड मॉडल के आधिकारिक रूप से स्वीकृत होने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए आने का रास्ता भी साफ हो जाएगा। पाकिस्तान को अब अहमदाबाद में खेलने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

एसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया, ''ओमान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख पंकज खीमजी, एसीसी कार्यकारी बोर्ड के सदस्य, को हल निकालने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी क्योंकि अधिकांश देश हाइब्रिड मॉडल नहीं चाहते थे।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन अभी की स्थिति के अनुसार भारत की गैरमौजूदगी वाले चार मैच-पाकिस्तान बनाम नेपाल, बांग्लादेश बनाम अफगानिस्तान, अफगानिस्तान बनाम श्रीलंका और श्रीलंका बनाम बांग्लादेश-लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में होंगे।'' उन्होंने कहा, ''भारत और पाकिस्तान के बीच दो मुकाबले और सुपर चार के बाकी सभी मैच पाल्लेकल या गॉल में होंगे।''

एशिया कप का आयोजन सितंबर में होने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के सीईओ ज्यॉफ अलार्डिस और चेयरमैन ग्रेग बार्कले पीसीबी अध्यक्ष नजम सेठी से मिलने कराची गए तो फैसला किया गया कि पाकिस्तान विश्व कप में जाने के लिए कोई शर्त नहीं रखेगा अगर एशिया कप के चार मैच देश में होंगे क्योंकि मेजबानी का अधिकार उसके पास है। पाकिस्तान के बिना टूर्नामेंट खेलने का मतलब है कि प्रसारणकर्ता टूर्नामेंट के लिए प्रतिबद्ध राशि का आधा ही भुगतान करेगा क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच में तय दो मुकाबले और दोनों के फाइनल में पहुंचने की स्थिति में तीसरा मुकाबला नहीं होगा।

यह हल सबसे व्यावहारिक नजर आता है क्योंकि इसके कारण पाकिस्तान के बिना

किसी शर्त के एकदिवसीय विश्व कप के लिए भारत जाने का रास्ता साफ होगा। एकदिवसीय विश्व कप का कार्यक्रम अगले हफ्ते की शुरुआत में जारी करने की उम्मीद है। भारत विश्व कप में पाकिस्तान से अहमदाबाद में भिड़ सकता है। पाकिस्तान के बाकी मुकाबले चेन्नई और हैदराबाद में हो सकते हैं।

केंद्र मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय समारक घोषित नहीं करेगा तो हम कराएंगे विकास कार्य : गहलोत

प्रतापगढ़, 11 जून (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को प्रतापगढ़ के लुहारिया गांव में 50.74 करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। समारोह को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा कि केंद्र सरकार मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित नहीं करेगी, तो राज्य सरकार विकास कार्य कराएगी।

सीएम गहलोत ने कहा- केंद्र सरकार द्वारा प्रतापगढ़, जालोर, राजसमंद में मेडिकल कॉलेज खोलने से मना कर दिया गया था तो राज्य सरकार खुद इन जिलों में कॉलेज स्थापित करा रही है। राज्य की जनकल्याणकारी योजनाओं की पूरे देश में सराहना हो रही है। प्रत्येक वर्ग और हर क्षेत्र के सर्वांगीण विकास से राजस्थान देश का मॉडल स्टेट बन गया है। जनता की भावना के अनुरूप ही सरकार ने योजनाएं लागू कर आमजन को राहत पहुंचाई है। आगे भी किसी तरह की कमी नहीं रखी जाएगी। प्रतापगढ़ जिले के मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति दे दी गई है। नर्सिंग कॉलेज का निर्माण भी शुरू हो गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित कराने की दिशा में भी राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। केंद्र सरकार से मानगढ़ धाम को राष्ट्रीय स्मारक घोषित कराने के लिए बार-बार आग्रह किया गया, लेकिन हाल ही में प्रधानमंत्री ने अपने दौरे में भी इसकी घोषणा नहीं की। ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा मना किए जाने पर राज्य सरकार मानगढ़ में विकास कार्य कराएगी।

गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने साढ़े चार वर्षों में 303 कॉलेज खोले हैं। इनमें जिले के युवाओं के लिए ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए 7 महाविद्यालय खोले गए हैं। साथ ही जिले में 70 नवीन ग्राम पंचायतों का गठन किया गया। उन्होंने कहा कि प्रतापगढ़ जिले का विकास हमारी जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी क्षेत्र में विकास के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार ने किसी भी स्तर पर कमी नहीं रखी है। अनुसूचित जाति-जनजाति विकास कोष की राशि 100-100 करोड़ से बढ़ाकर 500-500 करोड़ करने का प्रावधान किया गया है। इससे उनका सर्वांगीण विकास हो सकेगा।

गहलोत ने कहा कि देश में बढ़ती महंगाई से प्रदेशवासियों को राहत दिलाने के लिए महंगाई राहत कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, 100 यूनिट नि:शुल्क घरेलू बिजली, कृषि विद्युत उपभोक्ताओं को 2000 यूनिट प्रतिमाह, 500 रुपए में गैस सिलेंडर, नि:शुल्क राशन किट, 125 दिन का रोजगार, 1000 रुपए न्यूनतम पेंशन, कामधेनु पशु बीमा जैसी योजनाओं के जरिए राहत पहुंचाई जा रही है।

पीएम मोदी को दूसरे दलों की सरकार बर्दाश्त नहीं : भगवंत मान

- मोदी ने सभी संस्थाओं को गोदी बना दिया : कपिल सिब्बल
- लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है बीजेपी : संजय सिंह

नई दिल्ली, 11 जून (एजेन्सी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रामलीला मैदान की रैली में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व भाजपा को अन्य दलों की सरकार बर्दाश्त नहीं हो रही है। इस कारण राज्यों में वह विपक्षी दलों को तोड़ रहे हैं और सरकार तोड़ने में सफल नहीं होने पर विपक्षी दलों की सरकारों को काम नहीं करने दे रहे हैं। इस तरह जनता के अधिकारों को छीना जा रहा है। भाजपा भारतीय जुगाड़ू पार्टी हो गई है।

मान ने कहा कि दिल्ली की दो करोड़ जनता ने वोट देकर आम आदमी पार्टी को जिताया और केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाया। इसके बावजूद मुख्यमंत्री को कार्य नहीं करने दिया जा रहा है। इसके अलावा अधिकारियों को आदेश देने से रोका जा रहा है और भ्रष्ट अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने दी जा रही। इस तरह सरकार कैसे चलाई जा सकती है। हजारों क्रांतिकारियों ने कुर्बानियां देकर देश को आजाद कराया था। इस कारण यह देश किसी की जागीर नहीं है, लेकिन भाजपा के लोग खुद को मालिक समझने लगे हैं। इन्हें लगता है कि हम ही देश पर राज करेंगे। ये वर्ष 2024 में जीत गए तो ये संविधान ही बदल देंगे। इसके बाद देश में चुनाव नहीं होंगे।

वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा कि वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी ने देश बदलने के लिए केवल 60 माह मांगे थे। उन्हें करीब 120 महीने मिले। इस दौरान उन्होंने सभी संस्थाओं को गोदी बना दिया। चुनाव आयोग, ईडी-सीबीआई सभी को अपनी गोदी में बैठा दिया। परिणामस्वरूप लोकतंत्र, भाईचारा खतरे में है। ये अपनी मनमर्जी कर रहे हैं। अब वक्त आ गया है कि सभी विपक्षी दलों को एकजुट होकर मोदी का सामना करना होगा। जिस तरह से मोदी शासन चला रहे हैं, उससे लगता नहीं है कि कोई भी सरकार बच पाएगी, क्योंकि हमेशा मोदी कहते हैं कि उन्हें एक डबल इंजन सरकार चाहिए। डबल इंजन सरकार का मतलब है कि हर प्रदेश में उनकी सरकार होनी चाहिए। इनका लक्ष्य सारे विपक्षी दलों को खत्म कर सभी प्रदेशों को कब्जे में लेना है, लेकिन डबल इंजन सरकार बनेगी नहीं, क्योंकि ये डबल बैरल सरकार है। एक बैरल ईडी और दूसरा बैरल सीबीआई है।

वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि भाजपा अध्यादेश के माध्यम से लोकतंत्र और दिल्ली की सत्ता को खत्म करना चाहती है, लेकिन यह कदम भाजपा के लिए घातक साबित हो सकता है, क्योंकि दिल्ली सरकार और दिल्ली के संविधान को बदलने पर दिल्ली व देश की जनता केजरीवाल के साथ मिलकर भाजपा की सत्ता को बदलने का काम करेगी।

प्रधानमंत्री अध्यादेश के माध्यम से हमारे विधायकों, मंत्रियों, पार्टियों के नेताओं और केजरीवाल को अपनी तानाशाही से दबाने का कार्य कर रहे हैं। हमें पूरे देश के नेताओं का समर्थन मिल रहा है। यह किसी को कतई मंजूर नहीं है कि दिल्ली के दो करोड़ लोगों का अधिकार छीना जाए। इस संबंध में सड़क से लेकर संसद तक लड़ाई होगी। राज्यसभा में यह बिल पास नहीं होने देंगे।

प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने कहा कि जब भी देश में संकट के बादल छाते हैं तो पूरा देश दिल्ली की तरफ देखता है। आज दिल्ली में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अवमानना करते हुए रात के अंधेरे में अध्यादेश लाकर दिल्ली के लोगों पर थोप दिया है। दिल्ली की जनता कह रही है कि मोदी और भाजपा की नाक के नीचे से अगर दिल्लीवाले केजरीवाल को तीन-तीन बार सरकार बनाना जानते हैं तो अध्यादेश को लड़कर वापस भी करवाना जानते हैं।

वसुंधरा राजे का पायलट-गहलोत पर हमला, कहा- सिंहासन के लिए संघर्ष चल रहा, मुख में राम बगल में छुरी

जयपुर, 11 जून (एजेन्सी)। राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने सचिन पायलट की ओर से खान घोटाले को लेकर लगाए गए आरोपों पर पलटवार किया। राजे ने पायलट और गहलोत दोनों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सिंहासन के लिए संघर्ष चल रहा है। एक-दूसरे पर तीर चलाये जा रहे हैं। लोगों के मुख में राम बगल में छुरी है।

वसुंधरा राजे ने वर्तमान सियासत में चल रहे सिंहासन के संघर्ष को लेकर कहा कि एक समय था जब पिता के आदेश पर भगवान राम सिंहासन छोड़ कर 14 वर्ष तक वनवास गए। भरत को सिंहासन पर बैठाने की भी तैयारी हुई, लेकिन उन्होंने त्याग की मिसाल पेश की। बड़े भाई राम की चरण पादुकाओं को सिंहासन पर रख कर ही शासन चलाया, लेकिन खुद सिंहासन से दूर रहे। पूर्व सीएम ने कहा कि उस समय दोनों भाइयों का त्याग देखिए और आज दोनो में सिंहासन के लिए किस तरह संघर्ष हो रहा है, यह देखिए। किस तरह एक-दूसरे के ऊपर तीर चलाये जा रहे हैं।

राजे रविवार को ऋषिकेश में संत चिदानंद जी सरस्वती द्वारा आयोजित राम कथा में बोल रही थी। पूर्व सीएम ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के प्रयास से अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य मंदिर बन रहा है। उन्होंने कहा कि राम राज्य की कल्पना तब साकार होती है, जब धर्म और राजनीति साथ चले। राम को हृदय में बसा लीजिए। मन में राम नाम का जप कीजिए, फिर कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता, लेकिन मुख में राम बग़ल में छुरी मत करिए। जैसा कि आज-कल हो रहा है।

पूर्व सीएम ने चिदानंद सरस्वती जी महाराज के पर्यावरण और जल संरक्षण अभियान की तारीफ की। उन्होंने कहा अटल जी के नदियों को जोड़ने के प्रयासों को साकार करने के लिए हमने मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान और नदियों से जोड़ने की योजना पर काम किया। जिसे इस सरकार ने बंद कर दिया।

पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव: एनएचआरसी का केंद्र, राज्य सरकार और एसईसी को नोटिस, मानवाधिकार संरक्षण पर मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 11 जून (एजेन्सी)। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने केंद्र, पश्चिम बंगाल सरकार और राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) को नोटिस भेजा है और उनसे आगामी पंचायत चुनाव में मानवाधिकार संरक्षण को लेकर किए जा रहे उपायों पर रिपोर्ट मांगी है।

एनएचआरसी ने एक बयान में यह भी कहा कि उसने अपने महानिदेशक (जांच) को एक विशेष मानवाधिकार पर्यवेक्षक के रूप में राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) के परामर्श से पश्चिम बंगाल का मौके पर सर्वेक्षण करने के लिए नियुक्त किया है, ताकि आगामी चुनावों में हिंसा की संभावना वाले 'संवेदनशील निर्वाचन क्षेत्रों' की पहचान की जा सके।

आयोग ने पश्चिम बंगाल में चुनाव संबंधी विभिन्न हिंसा की घटनाओं के बारे में मीडिया में आई एक खबर का स्वत: संज्ञान लिया है, जिसमें राजनीतिक दलों के लोगों को निशाना बनाया गया है। बयान में कहा गया है कि मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व मेदिनीपुर जिले में एक राजनीतिक कार्यकर्ता (60 वर्षीय), बूथ अध्यक्ष का कथित तौर पर अपहरण कर लिया गया और उनकी हत्या कर दी गई।

मृतक के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि हत्या के लिए प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक समूह के 34 स्थानीय कार्यकर्ता जिम्मेदार हैं। इसमें कहा गया है कि एक अन्य कार्यकर्ता संजय तांती को भी एक अज्ञात स्थान पर ले जाया गया जहां प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने उन्हें कथित तौर पर बुरी तरह पीटा और एक अन्य घटना में आसनसोल (पश्चिम बर्धमान) के एक नेता राजेंद्र शॉ की राष्ट्रीय राजमार्ग पर गोली मारकर हत्या कर दी गई।

आयोग ने कहा कि राज्य में हिंसा की कई अन्य घटनाएं हुई हैं, जिसमें चुनाव लड़ने वाली पार्टियों के कार्यकर्ता कथित तौर पर एक-दूसरे से भिड़े हैं और 2018 के ग्रामीण चुनावों को पश्चिम बंगाल राज्य में सबसे हिंसक और खूनी चुनावों में से एक माना जाता है। इसलिए एनएचआरसी ने गृह मंत्रालय, राज्य सरकार और एसईसी को नोटिस जारी कर आगामी पंचायत चुनावों के लिए किए गए 'मानवाधिकार संरक्षण उपायों' पर रिपोर्ट मांगी है।

बयान में कहा गया है, एनएचआरसी ने इसे मानवाधिकारों को प्रभावित करने वाला एक 'गंभीर मुद्दा' माना है और व्यापक सार्वजनिक हित को संरक्षित करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत गारंटीकृत जीवन और आजीविका के अधिकार को बनाए रखने के उद्देश्य से 'नागरिकों के किसी भी प्रकार के मानवाधिकार उल्लंघन को रोकने' के लिए समय पर कदम उठाना उचित और आवश्यक पाया है।

भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव में उतरेगी। इसे 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी के लिए एक अहम परीक्षा माना जा रहा है। टीएमसी नेतृत्व का मानना है कि लोकसभा और ग्रामसभा चुनावों का असर अलग-अलग हो सकता है। हालांकि, राज्य की अधिक से अधिक संसदीय सीट हासिल करने के लिए बंगाल के ग्रामीण इलाकों में जीत दर्ज करना महत्वपूर्ण है। राज्य के त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव आठ जुलाई को होने वाले हैं, जिसमें लगभग 5.67 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो जिला परिषदों, पंचायत समितियों और ग्राम पंचायतों की लगभग 74,000 सीट के लिए प्रतिनिधियों का चयन करने के लिए मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

वाईएसआरसीपी सरकार ने भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं किया : अमित शाह

विशाखापत्तनम, 11 जून (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को आंध्र प्रदेश की वाईएसआरसीपी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसने केवल भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने राज्य में किसानों की कथित आत्महत्याओं को लेकर पार्टी की आलोचना की।

भाजपा नीत राजग सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और दुनिया भर में भारतीयों का नाम रोशन करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया। उन्होंने कहा, यहां (जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व में) एक सरकार चल रही है। इस सरकार ने पिछले चार साल में भ्रष्टाचार और घोटालों के अलावा कुछ नहीं किया है।

वाईएसआरसीपी के किसान हितैषी सरकार होने के दावों पर सवाल उठाते हुए शाह ने आरोप लगाया कि किसानों की आत्महत्या के मामले में राज्य तीसरे स्थान पर है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रेड्डी को इस पर शर्मिंदा होना चाहिए। शाह ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश की संपूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की है और उरी और पुलवामा में हमले के तुरंत बाद भारत ने पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक और हवाई हमले कर जवाबी कार्रवाई की और उन्हें जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि राजग के नौ वर्षों के शासन में भारत का कद विश्व स्तर पर बढ़ रहा है और पीएम मोदी जहां भी गए, उनका स्वागत मोदी-मोदी के नारे के साथ किया जाता है। शाह ने कहा कि यह बात आंध्र प्रदेश सहित 130 करोड़ भारतीयों को गर्व देती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 2004-14 में कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के दौरान लाखों करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ था।

नौ वर्षो का हिसाब मांगने पर अमित शाह का डीएमके-कांग्रेस पर पलटवार, कहा- ये '2जी, 3जी, 4जी' पार्टियां

चेन्नई, 11 जून (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वंशवाद की राजनीति और कथित भ्रष्टाचार को लेकर रविवार को कांग्रेस और द्रमुक पर निशाना साधा। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने उन्हें '2जी, 3जी, 4जी' पार्टियां करार दिया और कहा कि तमिलनाडु में इन्हें उखाड़ फेंकने और 'धरती पुत्र' को सत्ता देने का समय आ गया है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की इस मांग पर कि शाह पिछले नौ वर्षों में तमिलनाडु के लिए केंद्र की विशेष योजनाओं को सूचीबद्ध करें, वरिष्ठ भाजपा नेता ने विमानन, रेलवे और सड़कों सहित विभिन्न क्षेत्रों में राज्य के लिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की विभिन्न पहलों का विवरण दिया। यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को खत्म करने का विरोध करने के लिए केंद्र के दो विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कलम के एक झटके से कश्मीर को भारत के साथ 'एकजुट' करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की।

उन्होंने कहा, 'कांग्रेस और द्रमुक 2जी, 3जी, 4जी पार्टियां हैं। मैं 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन घोटाले की बात नहीं कर रहा हूं। 2जी का मतलब दो पीढ़ियां, 3जी का मतलब तीन पीढ़ियां और 4जी का मतलब चार पीढ़ियां हैं।' उन्होंने कहा, 'मारन परिवार (द्रमुक का) दो पीढ़ियों से भ्रष्टाचार कर रहा है। करुणानिधि परिवार तीन पीढ़ियों से भ्रष्टाचार कर रहा है। राहुल गांधी चौथी पीढ़ी हैं और चार पीढ़ियों से वे सत्ता का आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि 2जी, 3जी, 4जी को उखाड़ फेंका जाए और तमिलनाडु में सत्ता एक धरती पुत्र को दी जाए।

लोगों से यह पूछते हुए कि क्या अनुच्छेद 370 को हटाया जाना चाहिए था या नहीं और 'कश्मीर हमारा है या नहीं', उन्होंने कहा कि कांग्रेस और द्रमुक दोनों ने जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद को खत्म करने का विरोध किया। उन्होंने कहा, 'ये दोनों पार्टियां (कांग्रेस और द्रमुक) इसे निरस्त किए जाने के खिलाफ थीं। 5 अगस्त, 2019 को कलम के एक झटके से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अनुच्छेद 370 को समाप्त कर दिया और कश्मीर को भारत के साथ एकजुट किया।'

उन्होंने द्रमुक और कांग्रेस पर 2014 से 2024 तक अपने 10 साल की अवधि के दौरान हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया और कहा कि नौ साल पुरानी राजग सरकार के खिलाफ ऐसा कोई आरोप नहीं है। एम्स मदुरै की स्थापना पर स्टालिन की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए शाह ने कहा कि द्रमुक केंद्र में 18 साल तक सत्ता में रही, लेकिन उसने तमिलनाडु में प्रमुख चिकित्सा सुविधा लाने के लिए कदम नहीं उठाए बल्कि केवल भ्रष्टाचार किया।

डियर साप्ताहिक लॉटरी
कोलकाता निवासी ने
₹ 1 करोड़ जीते

कोलकाता, पश्चिम बंगाल के श्री दुलाल दलुई ने **07.04.2023** को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नम्बर **82L 22304** है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज-क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। ''मैंने कई लोगों से सुना है कि डियर लॉटरी काफी सारे लोगों को करोड़पति बनाती आ रही है। ऐसी खबरों से प्रवृत्त होकर ही मैंने भी अपनी किस्मत आजमाने हेतु कुछ डियर लॉटरी टिकटें खरीद ली थीं। यह मेरे तथा मेरे परिवार के सदस्यों के लिए एक आश्चर्य ही था, जब मैं डियर लॉटरी से पुरस्कार राशि के एक करोड़ रुपए जीत गया।'' विजेता ने कहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रक: नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com